Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwapariwar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 07 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, सोमवार 06 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

इंडोनेशिया दौरे पर आज जाएंगे पीएम मोदी

■ **ब्रह्मोस डील पर लग सकती है मुहर**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जुलाई से इंडोनेशिया के तीन दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं. इस यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की चरणबद्ध खरीद को लेकर बातचीत होने की उम्मीद है. ये दौरा दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है.

रक्षा सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि दोनों देशों के बीच चर्चा मार्च में तय हुए शुरुआती सिंगल-सिस्टम समझौते से आगे जाएगी. इस बार बातचीत में तटीय और मोबाइल लॉन्चर, रडार, ट्रेनिंग, मेंटेनेंस और व्यापक सपोर्ट पैकेज शामिल होने की संभावना है.

ऐसे में कहा जा सकता है कि इंडोनेशिया को सिर्फ मिसाइल ही नहीं, बल्कि उसकी पूरी सुरक्षा और रख-रखाव की प्रणाली सौंपी जाएगी.

इंडो-पैसिफिक में भारत की मजबूत होती डिफेंस डिप्लोमेसी

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी रक्षा कूटनीति का अहम स्तंभ बनकर उभर रहा है. भारत पहले ही फिलीपींस को मिसाइलों की डिलीवरी शुरू कर चुका है. इसके साथ ही वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ भी भारत की बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है.

भारत ने साल 2022 में फिलीपींस के साथ तट-आधारित ब्रह्मोस सिस्टम के लिए 375 मिलियन डॉलर का समझौता किया था, जिसकी डिलीवरी 2024 में शुरू हुई. ये इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का पहला निर्यात था.

दुनिया की सबसे तेज मिसाइलों में शामिल है ब्रह्मोस

भारत और रूस का जॉइंट वेंचर 'ब्रह्मोस', दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है. फिलीपींस के बाद अगर इंडोनेशिया भी इसका ऑर्डर देता है, तो ये इस मिसाइल सिस्टम का दूसरा निर्यात होगा. इस डील से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के इन दो बड़े साझेदार देशों के बीच रक्षा संबंध और ज्यादा गहरे हो जाएंगे.

समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक तालमेल पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री मोदी के इस तीन दिवसीय दौरे का फोकस समुद्री सुरक्षा, रक्षा औद्योगिक सहयोग और हिंद महासागर और आसियान (ASEAN) क्षेत्र में तालमेल बढ़ाना है. दोनों देश मिलकर इस क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता का नई अध्याय लिखने की तैयारी में हैं।

डॉ. तीजन बाई के नाम पर शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का होगा नामकरण

रायपुर (विश्व परिवार)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विश्वविख्यात पंडवानी गायिका, पद्मविभूषण से सम्मानित एवं छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की अप्रतिम धरोहर डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत वे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए तथा दाह संस्कार कार्यक्रम तक उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने घोषणा किया कि उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण 'डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी' के नाम से किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना, ओजस्वी वाणी और आजीवन समर्पण के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का अवसान है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों एवं असंख्य प्रशंसकों को इस दु:ख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का संपूर्ण जीवन लोकपरंपराओं, संस्कृति और कला के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित रहा। उनकी कला साधना, संघर्ष और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बनी रहेंगी। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर स्थापित करने में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने डॉ. तीजन बाई के सम्मान में उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण 'डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी' के नाम से किया जाएगा।

चिंतन शिविर 3.0 से विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को मिलेगी नई दिशा: मुख्यमंत्री

■ **सुशासन, तकनीक, कृषि, पर्यटन और विकासपरक राजनीति पर हुआ गहन मंथन**

रायपुर (विश्व परिवार)। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दीर्घकालिक रणनीति, सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप प्रशासनिक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'चिंतन शिविर 3.0' का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मंत्रिपरिषद के सदस्यों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा देश के प्रतिष्ठित नीति विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विषय विशेषज्ञों ने शासन, विकास और जनसेवा के विभिन्न आयामों पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि चिंतन शिविर अब केवल विचारों के आदान-प्रदान का मंच नहीं रह गया है, बल्कि शासन व्यवस्था में ठोस सुधारों का प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक-संचालित और नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील प्रशासन विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चिंतन शिविर 3.0 से प्राप्त सुझाव विकसित छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को नई दिशा देंगे तथा इन्हें शीघ्र ही नीतिगत एवं प्रशासनिक पहलों के रूप में लागू किया जाएगा।

दूसरे दिन आयोजित 'सतत समृद्धि के इंजन के रूप में पर्यटन' विषयक सत्र में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं पर्यटन नीति विशेषज्ञ श्री सुमन बिल्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक, जनजातीय और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में देश का अग्रणी हाई-वैल्यू, लो-इम्पैक्ट पर्यटन गंतव्य बनने की अपार क्षमता रखता है। उन्होंने पर्यटन अवसंरचना, सामुदायिक भागीदारी, निवेश, उत्तरदायी पर्यटन और सुशासन आधारित पर्यटन मॉडल पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर क्षेत्र, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बना सकता है। राज्य की औद्योगिक नीति भी पर्यटन निवेश को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

'सबका प्रयास के माध्यम से विकासपरक राजनीति' विषय पर लोकसभा सदस्य श्री शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि जिला ही विकास का वास्तविक केंद्र (District is the Fulcrum of Growth) होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक जिले के लिए विकासोन्मुख योजना, स्थानीय आर्थिक क्षमता के अनुरूप विकास रणनीति तथा जिला-स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (District GDP) आधारित नियोजन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने 'अमृत प्रयास', 'बनयान रिवोल्यूशन' और सहभागी शासन की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिला-केंद्रित विकास मॉडल उद्यमिता, रोजगार, कृषि परिवर्तन, स्थानीय नवाचार और जन-क्षमता के विकास को नई गति देगा तथा विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 क्षेत्रों के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होगा।

समापन सत्र में डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन, प्रभावी नीति-क्रियान्वयन, नेतृत्व विकास तथा लोक प्रशासन के विभिन्न आयामों पर अपने विचार रखे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महिला स्व-सहायता समूह को किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जशपुर जिले के वन धन विकास केंद्र, पंचक्की से जुड़े महिला स्व-सहायता समूह को 'सहकार प्रेरणा सम्मान' से सम्मानित किया। यह सम्मान भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन एवं सहकारी सप्ताह कार्यक्रम में प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर के वन धन विकास केंद्र पंचक्की के अनंत स्व-सहायता समूह को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सहकार प्रेरणा पुरस्कार एवं लाभांश

राशि प्रदान कर सम्मानित किया। यह समूह वन विभाग के अंतर्गत संचालित वन धन विकास केंद्र से जुड़ा है। अनंत स्व-सहायता समूह की 10 महिलाएं सामूहिक रूप से च्यवनप्राश सहित विभिन्न औषधीय उत्पादों का निर्माण करती हैं। समूह द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति आयुष विभाग सहित अन्य संस्थानों एवं उपभोक्ताओं को की जाती है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए तीन बेटे

तेहरान। ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम चल रहा है। रविवार को खामेनेई के तीन बेटों ने और उनके परिवार के चार अन्य सदस्यों ने ताबूत के पास प्रार्थना की लेकिन उनके उत्तराधिकारी मोजतबा खामेनेई नहीं दिखाई दिए। सरकारी टीवी पर मुस्तफा, मेसम और मसूद खामेनेई को तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला (एक बड़े धार्मिक परिसर) के विशाल आंगन में रखे ताबूतों के पीछे प्रार्थना करते हुए दिखाया गया।

धार्मिक शासन वाले देश के प्रति लोगों की श्रद्धा और क्रांतिकारी जोश दिखाने के लिए इस्लामिक रिपब्लिक खामेनेई के लिए एक हफ्ते तक बड़े पैमाने पर अंतिम संस्कार जुलूस निकाल रहा है। इसमें उनके पार्थिव शरीर को पड़ोसी देश इराक में शिया धार्मिक स्थलों पर ले जाना भी शामिल है। वरिष्ठ ईरानी नेताओं और विदेशी अधिकारियों के दर्शन के लिए एक दिन तक घर के अंदर रखे जाने के बाद शनिवार को खामेनेई के ताबूत को बाहर शीशे के नीचे रखा गया। उनके साथ उनकी बेटी, दामाद, बहू और 14 महीने की पोती के ताबूत भी रखे गए थे।

15 जहाजों ने सुरक्षित पार किया हॉर्मुज, भारत में बढ़ेगा उर्वरकों का भंडार

■ **पीएम मोदी के नेतृत्व ने किसानों को खाद संकट से बचाया- जेपी नड्डा**

■ **राज्यों को मांग के अनुरुप मिलता रहेगा उर्वरकः जेपी नड्डा**

नई दिल्ली। भारत के लिए उर्वरक एवं कच्चा माल लेकर आने वाले कुल 15 जहाज़ सुरक्षित रूप से हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं। इन जहाज़ों के माध्यम से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत में उर्वरकों एवं कच्चे माल की आपूर्ति जारी है। उर्वरक एवं कच्चा माल लेकर आ रहे इन जहाजों के भारतीय तटों पर पहुंचने के साथ ही भारत के उर्वरक भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पश्चिम एशिया में हाल ही में उत्पन्न संघर्ष के दौरान हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात प्रभावित होने के बावजूद भारत सरकार ने समयबद्ध रणनीति, प्रभावी समन्वय तथा निरंतर निगरानी के माध्यम से देश में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

इस संकट के बावजूद भारत सरकार ने अपने कूटनीतिक एवं रणनीतिक प्रयासों के बल पर कई नए देशों से भी उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की है और भारत की उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला पहले से अधिक मजबूत हुई है। इस पूरी प्रक्रिया में विदेशों में स्थित 28 भारतीय मिशनों (जैसे दूतावास और उच्चायोग) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन मिशनों ने संभावित उत्पादकों एवं आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क स्थापित कर उर्वरकों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने में उर्वरक विभाग को सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

यूरिया आपूर्ति के लिए ओमान, मलेशिया, वियतनाम, जॉर्जिया, नाइजीरिया, रूस, फिनलैंड, मिस्र, अल्जीरिया, तुर्की तथा नीदरलैंड सहित कई देशों से सफलतापूर्वक व्यवस्था की गई है। वहीं, डीएपी एवं एनपीके उर्वरकों के लिए लाल सागर समुद्री मार्ग के माध्यम से रूस, मोरक्को, मिस्र, अमेरिका, जॉर्डन, दक्षिण कोरिया, ट्यूनीशिया तथा सऊदी अरब से आवश्यक व्यवस्था की गई है।

केंद्रीय रासायनिक एवं उर्वरक मंत्री श्री जेपी नड्डा ने कहा कि 'पश्चिम एशिया में शुरु हुए संघर्ष की वजह से पूरी दुनिया की सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई। उर्वरकों की कीमतें आसमान छूने लगीं और माल पहुंचने में लगने वाला समय भी बढ़ गया। भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं रहा। इससे कच्चे माल और उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति में चुनौतियां आईं, लेकिन मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत सरकार शुरू से ही सतर्क और तैयार थी।''

12 साल की लापता बच्ची का मामला, पंजाब रवाना होगी स्टाफ

■ **लापता बच्ची की शीघ्र जांच हेतु बिलासपुर पहुंचीं डॉ वर्णिका शर्मा**

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के पास 3 जुलाई को लगभग 7:30 बजे उन्हें बिलासपुर से लापता 12 वर्षीय बच्ची की माता का फोन प्राप्त हुआ। बच्ची की मां अत्यंत भावुक थीं और उन्होंने अपनी बेटी की सकुशल बरामदगी को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री 27 जून से लापता है तथा उन्हें आशंका है कि बच्ची कहीं गलत लोगों के संपर्क में न आ गई हो और किसी असुरक्षित स्थिति में हो।मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. शर्मा ने तत्काल विशेष किशोर पुलिस इकाई (SJPU) की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) रश्मीत कौर से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी ली तथा जांच में तेजी लाने का आग्रह किया। इसके बाद डॉ. वर्णिका शर्मा आज सिरगिट्टी थाना पहुंचीं, जहां उन्होंने लापता बच्ची के परिजनों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) रश्मीत कौर एवं थाना प्रभारी से मामले के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की तथा अब तक की जांच और आगे की कार्रवाई की जानकारी ली। अथवा पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने डॉ. वर्णिका शर्मा को आश्वस्त किया है कि मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 जुलाई की सुबह सिरगिट्टी थाना पुलिस की एक स्पेशल टीम (STF) गठित कर रवाना होगी, ताकि सभी संभावित पहलुओं की जांच कर बच्ची की शीघ्र एवं सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

रायपुर प्रेस क्लब में वरिष्ठ पत्रकार सुखनंदन बंजारे को भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर प्रेस क्लब में रविवार को वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब के पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय सुखनंदन बंजारे की स्मृति में श्रद्धांजलि एवं शोक सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में पत्रकारों, सामाजिक प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों तथा उनके शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि सुखनंदन बंजारे केवल पत्रकार साथी नहीं, बल्कि उनके अत्यंत करीबी मित्र थे। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि पत्रकारिता जगत में दोनों की जोड़ी जय-वीरू के नाम से जानी जाती थी और उनका असमय निधन उनके लिए व्यक्तिगत तथा पूरे पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने बंजारे के मिलनसार, सहज, हंसमुख एवं जुझारू व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा पत्रकारिता को जनसरोकारों से जोड़कर निभाया।

मोहन तिवारी ने कहा कि पत्रकार अक्सर अपनी व्यस्त दिनचर्या में स्वयं के स्वास्थ्य की उपेक्षा कर देते हैं, जिसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने सभी पत्रकारों से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आग्रह किया। साथ ही रायपुर प्रेस क्लब की ओर से स्वर्गीय सुखनंदन बंजारे के परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश शर्मा ने कहा कि सुखी का जाना दुखी कर गया... उन्होंने सुखनंदन बंजारे ने निष्पक्ष, जिम्मेदार और जनपक्षधर पत्रकारिता के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई। उनका सरल व्यवहार, सहयोगी स्वभाव और सकारात्मक सोच उन्हें सभी के बीच प्रिय बनाती थी।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश जॉन पॉल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सुखनंदन बंजारे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ पत्रकारिता के प्रति समर्पित रहे। उनका आत्मीय व्यवहार और साथियों के प्रति अपनापन उन्हें सबसे अलग पहचान दिलाता था। उनका असामयिक निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं स्वर्गीय सुखनंदन बंजारे के शिक्षक प्रो. नृपेंद्र शर्मा ने उन्हें स्मरण करते हुए कहा कि छात्र जीवन से ही उनमें सीखने की ललक, समाचारों के प्रति गंभीर दृष्टि और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता दिखाई देती थी। उन्होंने कहा कि सुखनंदन ने अपने पूरे पत्रकारिता जीवन में मूल्यों और नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी तथा अपने व्यवहार, कार्यशैली और जनपक्षधर सोच से एक जिम्मेदार पत्रकार की पहचान स्थापित की। उनका निधन उनके विद्यार्थियों, सहकर्मियों और पूरे पत्रकारिता जगत के लिए अत्यंत पीड़ादायक क्षति है।

रायपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने प्रेस क्लब में सुखनंदन बंजारे के साथ पदाधिकारी के रूप में बिताए समय को याद करते हुए कहा कि वे अपने कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित और ऊर्जावान थे। उन्होंने भी पत्रकारों से अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रहने का आग्रह किया।

पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने कहा कि नगर निगम की रिपोर्टिंग के दौरान उनका सुखनंदन बंजारे से प्रतिदिन संपर्क होता था। वे हमेशा आमजन की समस्याओं को गंभीरता से उठाते थे और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से समाचारों के माध्यम से सामने लाते थे। उनका व्यवहार अत्यंत सरल, विनम्र और सकारात्मक था, जिसके कारण वे सभी वर्गों में सम्मानित थे।

सभा में वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप जैन, हितेश व्यास एवं शगुफ्ता शीरीन सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने स्वर्गीय सुखनंदन बंजारे को कर्मठ, सरल, सहयोगी और पत्रकारिता के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनका निधन मीडिया जगत के लिए अपूरणीय क्षति है और उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने स्वर्गीय सुखनंदन बंजारे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए उनकी जनपक्षधर पत्रकारिता की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। अंत में दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम का संचालन रायपुर प्रेस क्लब के महासचिव गौरव शर्मा ने किया।

इस अवसर पर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित वरिष्ठ पत्रकार , प्रशांत शर्मा, संदीप पुराणिक, नरेंद्र बंगाले, दामु अंबाडारे, कुलदीप शुक्ला, मुकेश वर्मा, राहुल सिन्हा, महेंद्र नामदेव, विद्याभूषण, विनय घाटगे, लवकुश शुक्ला, गिरीश केसरवानी, आरिफ इमरान, अनुराधा, सुधा, अजय जैन तथा बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पं त्रिवेदी ने सिद्धांतों की पत्रकारिता की : प्रो पांडेय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के पितामह पं स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी की जयंती पर प्रेस क्लब और छत्तीसगढ़ मित्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में रांची से आए प्रोफेसर जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि पं त्रिवेदी ने महावीर प्रसाद द्विवेदी के सिद्धांतों को पत्रकारिता में अनुपालन किया जिसका परिणाम हुआ कि आज भी छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता में संस्कार हैं। समारोह की अध्यक्षता साहित्य परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने की।

प्रेस क्लब में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि प्रो पांडेय ने कहा कि पं त्रिवेदी ने छत्तीसगढ़ कैसा हो, इसकी कल्पना अपनी कविता में की थी। वे आजादी के पहले, आजादी के बाद और छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद के समय के साक्षी रहे हैं। उनका लेखन समाजोपयोगी रहा है इसलिए आज भी वे प्रासंगिक हैं। समारोह में साहित्य परिषद के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने कहा कि आजादी के पहले पं त्रिवेदी ने विकास की पत्रकारिता की। वे इतिहास के साक्षी रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ शाहिद अली ने विस्तार से पं त्रिवेदी के योगदान को रेखांकित किया और कहा कि उन्हें अपने स्वतंत्रता सेनानी से संस्कार मिले। ग्रामीण पत्रकारिता के विकास में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा। वे एक संस्था की तरह लोगों को प्रशिक्षित करते चले गए। वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने कहा कि पत्रकारिता की आज की परंपरा में जो कुछ अच्छा है, यह उनकी देश है। तीन पीढ़ियों को उनके साथ काम करने का अवसर मिला। डॉ सुशील त्रिवेदी ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए उन्हें साहित्य और पत्रकारिता का सेतु बताया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि आज की पीढ़ी को पं त्रिवेदी के लेखन से सीखना चाहिए। प्रारंभ में डॉ सुधीर शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता के संस्कार की निरंतरता का अनुष्ठान है। छत्तीसगढ़ मित्र के संपादक डॉ सुशील त्रिवेदी ने कहा कि विरासत का संरक्षण हमारा दायित्व है। इस अवसर पर डॉ सुधीर शर्मा द्वारा संपादित पुस्तक पं स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी प्रतिनिधि रचनाएं का विमोचन किया गया। पं स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी ने विकास पत्रकारिता, जनसंपर्क, ग्रामीण पत्रकारिता और छत्तीसगढ़ी साहित्य के उत्थान को महत्व दिया। समारोह का संचालन डॉ सीमा चंद्राकर ने किया।

समारोह में इतिहासकार डॉ रमेंद्रनाथ मिश्र, डॉ लक्ष्मीशंकर निगम, शशि वरवंडकर, डॉ वीणा हाडा, शकुंतला तरार, डॉ सीमा निगम, डॉ सीमा श्रीवास्तव, जसवंत क्लाडियस, विजय मिश्रा अमित, ठाकुरराम साहू, प्रदीप मिश्रा, शिरीष त्रिवेदी, मीर अली मीर, अंकित भोई, प्रशांत शर्मा, भारती यादव, दिलीप वरवंडकर, ऋषि चंद्राकर, अनेक पत्रकार और लेखक आदि शामिल रहे।

रायपुर के बरड़िया परिवार से दीक्षित श्री प्रियदर्शी श्री जी म सा का देवलोकगमन

छत्तीसगढ़ जैन समाज में शोक की लहर , अपूरणीय क्षति

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के नंदन परम पूज्य श्री प्रियदर्शी जी महाराज का मुंबई में वाहन दुर्घटना के पश्चात उपचार के दौरान कालधर्म हो गया है । विवेकानंद नगर के सुरेश बरड़िया परिवार के सांसारिक सुपुत्र ने जैन दीक्षा ग्रहण की थी । गुरुदेव का संयममय जीवन, तप, त्याग, करुणा और धर्मप्रभावना सदैव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा । उनका देह-वियोग सकल जैन समाज की अपूरणीय क्षति है।

गुरु का शरीर भले ही पंचतत्त्व में विलीन हो जाए,किन्तु उनके उपदेश और संस्कार युगों-युगों तक अमर रहते हैं। परम पूज्य गुरुदेव के श्रीचरणों में अश्रुपूरित भावभीनी श्रद्धांजलि । प्रभु से प्रार्थना है कि हम सभी उनके बताए संयम और धर्म के मार्ग पर चलने की शक्ति प्राप्त करें । जैन संवेदना ट्रस्ट ने भावांजलि अर्पित की है ।

श्रीमती मनीषा पारेख का निधन प्रार्थना सभा आज

रायपुर (विश्व परिवार)। अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जा रहा है के हमारी माताजी स्व श्रीमती मनीषा पारेख का स्वर्गवास दिनांक 04-07-2026 को गया है, उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना सभा आयोजित है ! कृपया दिवंगत आत्मा की शांति हेतु उक्त सभा में शामिल हो हमें कृतार्थ करे ! प्रार्थना सभा स्थान :- दिनांक 06-07-2026 प्रातः 10:30 बजे स्थान : - पाटीदार भवन, टिम्बर मार्केट, फाफाडीह रायपुर। **विनीत :- भावेश पारेख नीरज पारेख, दर्शन पारेख, जयेश पारेख**

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अनय को किया सम्मानित

व्हाइट हाउस से मिला हस्ताक्षरित पत्र

अरुण द्विवेदी के नाती ने अमेरिका में लहराया परचम, क्षेत्र में गर्व और हर्षोल्लास की लहर

अमेरिका/फ्लोरिडा (विश्व परिवार) । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने फ्लोरिडा निवासी होनहार बालक अनय उपाध्याय को देश के सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान प्रेसिडेंट्स एजुकेशन अवाड्र्स प्रोग्राम – आउटस्टैंडिंग एकेडमिक एक्सेलेंस 2026 से नवाज़ा है । टेम्पा, फ्लोरिडा में, पाँचवीं कक्षा में अध्ययनरत अनय को यह प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार उनकी असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों और अदम्य लगन के लिए प्रदान किया गया है ।

विशेष गौरव की बात यह है कि व्हाइट हाउस, वाशिंगटन से स्वयं राष्ट्रपति ट्रम्प के हस्ताक्षर सहित एक व्यक्तिगत बधाई पत्र अनय को स्कूल से प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा है कि अनय जैसे होनहार विद्यार्थी ही अमेरिका जैसे महान राष्ट्र की असली ताकत हैं । अमेरिकी शिक्षा मंत्रालय ने भी इस उपलब्धि को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया है । यह पुरस्कार पिछले 40 से अधिक वर्षों से अमेरिका भर के केवल चुनिंदा और सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को ही प्रदान किया जाता है ।

अनय कोई साधारण परिवार से नहीं आते । वे क्षेत्र के सुपरिचित एवं सम्मानित व्यक्तित्व अरुण द्विवेदी जी के नाती हैं । द्विवेदी जी की ज्येष्ठ सुपुत्री अभिलाषा और दामाद का परिवार पिछले कई वर्षों से अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में निवास कर रहा है । फ्लोरिडा से पहले यह परिवार, अमेरिका में ही कोलोरोडो, टेक्सास, कैलिफ़ोर्निया जैसे प्रांतों के अलावा, हॉलैंड (नीदरलैंड्स) में भी कुछ वर्षों तक रहा, जहाँ स्वयं अरुण द्विवेदी जी अपनी बेटी के परिवार से मिलने यूरोप में फ्रांस सहित कई यूरोपीय देशों की यात्रा भी की ।

यानी अनय का व्यक्तित्व तीन देशों – भारत, हॉलैंड और अमेरिका – की संस्कृतियों और अनुभवों की समृद्ध पृष्ठभूमि में निखरा है, और आज उसी की झलक इस ऐतिहासिक उपलब्धि में दिखती है ।

अरुण द्विवेदी जी ने अपने नाती की इस उपलब्धि पर अपार गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता भारतीय संस्कारों, ईश्वर के आशीर्वाद और अनय की अथक मेहनत का फल है ।

दैनिक विश्व परिवार होनहार बालक के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाए प्रदान करता है ।

सीएम 112 करोड़ से अधिक के कार्यों का करेंगे लोकार्पण–भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 6 जुलाई को रायपुर जिले के समोदा में 112 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इनमें 21 करोड़ 67 लाख रुपए के 67 कार्यों का लोकार्पण और 90 करोड़ 34 लाख रुपए लागत के 29 निर्माण कार्यों के भूमिपूजन शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन व लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। वन एवं पर्यावरण तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आरंग क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में लोक निर्माण विभाग के 9 करोड़ 43 लाख रुपए के तीन कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 79 लाख रुपए के पांच कार्यों, नगर पंचायत समोदा के 6 करोड़ 67 लाख रुपए के 20 कार्यों तथा आरंग नगर पालिका में 4 करोड़ 78 लाख रुपए के 39 कार्यों का लोकार्पण करेंगे। श्री साय लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जाने वाले 61 करोड़ 11 लाख रुपए लागत के 8 कार्यों, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के दो करोड़ 54 लाख रुपए के 11 कार्यों एवं समोदा नगर पंचायत के 8 करोड़ 70 लाख रुपए के 9 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवा रायपुर के सेक्टर-17, कोटरा भाठा में 18 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे ।

गमछा एवं फलदार पौधे भेंट कर दिया सामाजिक समरसता, एकता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अभनपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन, रायपुर संभाग के तत्वावधान में अभनपुर स्थित धीवर सामाजिक भवन में आयोजित भव्य ÷सर्व समाज सम्मान समारोह÷ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं छत्तीसगढ़ महतारी की आरती के साथ हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू कार्यक्रम की अध्यक्षता ईश्वर पटेल ने की । इस अवसर पर साहू समाज, सतनामी समाज , पटेल समाज, धीवर समाज, देवांगन समाज, सोनी समाज, आदिवासी समाज, धोबी समाज, सेन समाज, सिख समाज, ब्राह्मण समाज, अग्रवाल समाज, ध्रुव समाज , क्षत्रिय समाज सहित अनेक समाजों के प्रमुख एवं सामाजिक प्रतिनिधि सम्मानित हुए जिनका गमछा एवं फलदार पौधे भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न समाजों के मध्य सामाजिक समरसता, भाईचारा, एकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन, रायपुर संभाग के अध्यक्ष श्री ईश्वर पटेल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य सभी समाजों को एक मंच पर जोड़कर सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, जल-जंगल-जमीन की रक्षा, नशामुक्ति तथा छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और विरासत के संरक्षण हेतु सामूहिक रूप से कार्य करना है। उन्होंने कहा कि सम्मान स्वरूप फलदार पौधे भेंट करने का उद्देश्य केवल सम्मान करना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करना भी है।मुख्य अतिथि विधायक श्री इंद्र कुमार साहू ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में जहां समाज के भीतर भी बिखराव की स्थिति देखने को मिल रही है, ऐसे समय में सभी समाजों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन की इस अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह आयोजन अनुकरणीय है तथा इसके लिए संगठन की पूरी टीम बधाई की पात्र है।

कार्यक्रम में संभाग उपाध्यक्ष फतीश साहू, हेमलाल ध्रुव, महामंत्री वेदव्यास धीवर, जिला अध्यक्ष नारायण सोनी , साहू समाज जिला अध्यक्ष , अनिल अग्रवाल, लीलाराम सेन टिकेंद्र बघेल, पंकज साहू,धर्मेंद्र पटेल, श्रवण देवांगन प्रेम शंकर साहू विनय साहू डेमन पटेल बनमली नेम उपजित सचदेवा राजेश शुक्ला बिंदेश्वर झा सुमन लाल पाल देव प्रकाश साहू टिकेंद्र ठाकुर संजीत ध्रुव व यश कुमार साहू सहित संगठन के समस्त पदाधिकारी, समाज प्रमुख, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन गोपेश साहू (शिक्षक) एवं आभार व्यक्त संभाग उपाध्यक्ष हेमलाल ध्रुव की । उपस्थित समाज प्रमुखों ने सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

डूमरतराई थोक बाजार फेस-2 के नामकरण एवं लोकार्पण समारोह स्थगित

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा आज 5 जुलाई 2026 को आयोजित किया जाने वाला डूमरतराई थोक बाजार फेस-2 के नामकरण एवं लोकार्पण समारोह अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। कार्यक्रम की नई तिथि एवं समय की सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /32708/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 05-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32708
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **10** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227S00436** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NIKITA CHOUDHARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AVINASH CHOUDHARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अनिता मित्तल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **गोपाल मित्तल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जी के ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज ने 5,000 इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर वाहनों के उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित

रायपुर (विश्व परिवार)। लास्ट माइल ट्रांसपोर्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहन बना रही जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज (GK E-Vehicle Industries) ने छत्तीसगढ़ में थ्री-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। सेंट्रल इंडिया की अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज (GK E-Vehicle Industries) ने अपने 5,000वें इलेक्ट्रिक वाहन का उत्पादन पूरा करने की उपलब्धि हासिल की है।

इस उपलब्धि पर कंपनी के उत्पादन संयंत्र में जीके ग्रुप (त्रय त्रह्श्ह्ब्श्च) के डायरेक्टरगण श्री अमर परवानी, श्रीमती किरण परवानी, श्रीमती अनमोल परवानी, मुख्य परिचालन अधिकारी (ष्ह्ह) श्री सुरेश दसारी तथा पूरी जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज (GK E-Vehicle Industries) टीम की उपस्थिति में श्री अमर परवानी ने 5,000वें इलेक्ट्रिक वाहन का फ्लैग-ऑफ किया तथा इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मनाया गया।

जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज की उत्पादन यात्रा की शुरुआत सितंबर 2022 में हुई है और जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज (GK E-Vehicle Industries) ने बेहद कम समय में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए लॉन्च के पहले ही वर्ष में छत्तीसगढ़ की अग्रणी इलेक्ट्रिक तीन-पहिया थ्री-व्हीलर वाहन निर्माता कंपनी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की।

27 डीलर्स एवं 36 आउटलेट्स :- कंपनी सेंट्रल इंडिया के अग्रणी ईवी निर्माताओं में शामिल होने के साथ-साथ भारत के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे ईवी (श्ड्क) डीलर नेटवर्क में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है। वर्तमान में जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज (GK E-Vehicle Industries) का नेटवर्क 27 डीलर्स एवं 36 आउटलेट्स तक पहुंच चुका है, जो छत्तीसगढ़ एवं विदर्भ (महाराष्ट्र) में ग्राहकों को बिक्री एवं सेवा सुविधाएं प्रदान कर रहा है। कंपनी अब मध्यप्रदेश एवं ओडिशा में भी अपने नेटवर्क का विस्तार करने जा रही है।

'मेड इन छत्तीसगढ़' ब्रांड की बढ़ती ताकत यह उपलब्धि 'मेड इन छत्तीसगढ़' ब्रांड की बढ़ती ताकत और राज्य से उभर रहे स्वदेशी विनिर्माण की सफलता का प्रतीक है। जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज (GK E-Vehicle Industries) का उद्देश्य हरित, विश्वसनीय एवं किफायती (त्रह्द्द्ठु स्थ्ड्ढद्यद्बह्ल4) परिवहन समाधानों को बढ़ावा देना है।

जिला पंचायत सभाकक्ष में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

कलेक्टर ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने दिए आवश्यक निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह पाटले सहित विभागीय अधिकारी एवं मैदानी अमला उपस्थित रहा। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान), महतारी सदन निर्माण सहित पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रत्येक स्वीकृत आवास की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा निर्माण कार्य की दैनिक प्रगति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि तकनीकी अमला प्रतिदिन निर्माणाधीन आवासों का स्थल निरीक्षण करे तथा निर्माण कार्य के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करे, जिससे कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो सके।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह पाटले ने महतारी सदन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से ग्राम पंचायतों में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत को स्वच्छता के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए।बैठक में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, सामुदायिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर सोकपिट निर्माण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा (आरईएस) तथा अन्य विभागीय योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उप संचालक पंचायत, कार्यपालन अभियंता आरईएस, एपीओ मनरेगा, डीसी आवास, डीपीएम बिहान, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसडीओ, सहायक अभियंता, उप अभियंता, तकनीकी सहायक, बीएफ्टी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने चम्बोथी तालाब में जनप्रतिनिधि और नागरिकों के साथ श्रमदान कर स्वच्छता का दिया संदेश

तालाब परिसर की सफाई, सौंदर्यीकरण और हरियाली बढ़ाने के दिए निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छ नगर की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नगर पालिका परिषद सूरजपुर के बाजारपारा स्थित चम्बोथी तालाब में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सामूहिक श्रमदान किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, उपाध्यक्ष श्री शैलेश अग्रवाल, पार्षद श्री प्रमोद तायल, नगर पालिका व अन्य विभाग के संबंधित अधिकारी -कर्मचारियों तथा नागरिकों के साथ श्रमदान कर तालाब परिसर की साफ-सफाई की।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने स्वयं ग्लव्स पहनकर झाड़ू लगाया और कचरा उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि सभी नागरिक दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे आएं, तो सूरजपुर स्वच्छता के क्षेत्र में न केवल प्रदेश बल्कि देश में भी अलग पहचान बना सकता है। अभियान के दौरान कलेक्टर ने नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि तालाब सहित नगर के अन्य सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने एवं कचरा फेंकने वालों को पहले उचित कचरा प्रबंधन के लिए समझाइश दी जाए। इसके बाद भी सुधार नहीं होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध जुर्माना वसूली की कार्रवाई की जाए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर निगरानी के लिए कैमरों के उपयोग की भी बात कही। कलेक्टर ने जलस्त्रोतों की नियमित सफाई, तालाब परिसर के सौंदर्यीकरण तथा चारों ओर पौधरोपण कराने के निर्देश दिए, ताकि परिसर स्वच्छ, हरित और आकर्षक बने। साथ ही मटन मार्केट के दुकानदारों द्वारा इधर-उधर अवशेष फेंककर फैलायी जा रही गंदगी पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएमओ को तत्काल सफाई सुनिश्चित कराने तथा भविष्य में गंदगी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर के जनप्रतिनिधि, नगरवासी व अधिकारी-कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान किया।

बस्तामुक्त विद्यालय माध्यमिक शाला रुनियाडीह में शाला प्रवेश उत्सव आयोजित

मेधावी छात्रों सहित शत-प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्रों, रसोइयों तथा सफाई कर्मचारी का किया गया सम्मान

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- क्षेत्र के प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में शाला प्रवेश उत्सव 2026 का आयोजन प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यनारायण जायसवाल पूर्व जिला पंचायत सदस्य, राजेश यादव पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत विश्रामपुर, सतीश तिवारी एवं नंदू राजवाड़े द्वय एल्डरमैन नगर पंचायत विश्रामपुर, रामानंद जायसवाल अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, वरिष्ठ नागरिक तिजूराम राजवाडे, कैलाश सिदार तथा विजय नारायण राजवाड़े द्वय मंडल अध्यक्ष, बाबूलाल राजवाड़े पूर्व जनपद सदस्य, बाबूलाल यादव, डॉ. सुनील श्रीवास्तव अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ, बोधन राजवाड़े अध्यक्ष किसान कल्याण प्रकोष्ठ, धर्मजीत राजवाड़े बूथ अध्यक्ष, अमरेश राजवाड़े पूर्व अध्यक्ष एसएमसी, श्रीमती सुमित्रा सिंह सरपंच रुनियाडीह, खेलसाय राजवाड़े, मनोज पटेल तथा महादेव सिंह उपस्थित रहे। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री पायल राजवाड़े, उप प्रधानमंत्री घरभरन राजवाड़े, अनुशासन मंत्री कुश देवांगन, खेल मंत्री कैलाश राजवाड़े तथा सांस्कृतिक मंत्री कोमल सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्था में अध्ययनरत बच्चों की सुआ तथा करमा नर्तक दल के सांस्कृतिक प्रदर्शन ने अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन अर्चन के साथ किया गया। अतिथियों द्वारा कक्षा छठवीं में पैंतीस तथा कक्षा आठवीं में एक, कुल छत्तीस नव प्रवेशी बच्चों को रोली-तिलक लगा, माला पहनाकर, मिष्ठान खिलाकर पुस्तक तथा गणवेश देकर उन्हें कक्ष इंद्राज कराया गया। विधायक भूलन सिंह मरावी द्वारा अपने उद्बोधन में बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने व मन लगाकर पढ़ने, पालकों से शाम के समय बच्चों को पढ़ने बैठाने, शिक्षकों को मन से पढ़ाने तथा बच्चों का सतत आंकलन कर उनके सर्वांगीण विकास में सहयोग प्रदान करने प्रेरित किया गया। आपने विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 10 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। कार्यक्रम में सत्यनारायण जायसवाल, राजेश कुमार यादव, कैलाश सिदार, विजय राजवाड़े, बाबूलाल राजवाड़े तथा बाबूलाल यादव द्वारा भी बच्चों को प्रतिदिन अध्ययन-अध्यापन करने प्रेरित किया गया। वर्ष 2025-26 में आठवीं कक्षा में टिकेश्वरी राजवाड़े, पियूष तथा रोशनी सिंह, सातवीं में पायल राजवाड़े, शिवम विश्वकर्मा तथा कोमल सिंह, छठवीं में शांति सिंह, वेद राजवाड़े तथा निशा राजवाड़े द्वारा क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने के फ्लस्वरुप सुमित्रा सिंह सरपंच रुनियाडीह के सौजन्य से प्रथम ?500, द्वितीय ?300 तथा तृतीय ?200 नगद पुरस्कार तथा कॉपी-पेन प्रदान किया गया तो वहीं विद्यालय परिवार द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस वर्ष शत-प्रतिशत उपस्थिति अवार्ड में कक्षा आठवीं के लिए रुपा सिंह, कक्षा सातवीं के लिए पायल राजवाड़े तथा खुशी सिंह और कक्षा छठवीं के लिए संध्या राजवाड़े को मोमेंटो-कॉपी-पेन देकर सम्मानित किया गया। मध्याह्न भोजन सहायिका श्रीमती सुमित्रा राजवाड़े व नान दईया तथा सफाई कर्मचारी घरपति सिंह को ड्रेस कोड देकर सम्मानित किया गया। वर्षा राजवाड़े अध्यक्ष ईको एवं यूथ क्लब एवं उनके सदस्यों निशा सिंह, दीपक राजवाड़े, धनेश्वर सारथी द्वारा अतिथियों से एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत बरगद पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जनमानस को दिया गया। अतिथियों ने बच्चों तथा पालकों संग मध्याह्न भोजन चावल, दाल, पुड़ी, मटर पनीर, भिंडी भूजिया, पापड़, आचार, सलाद तथा मीठा का स्वाद लिया तथा अन्य विद्यालयों हेतु अनुकरणीय बताया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी तथा बच्चों के पालक उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देशन में आवारा कुत्तों के टीकाकरण एवं नसबंदी अभियान में आई तेजी

रेबीज़ रोधी टीकाकरण एवं नसबंदी के माध्यम से आवारा कुत्तों की संख्या पर वैज्ञानिक एवं मानवीय नियंत्रण, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- नगर पालिका परिषद, सूरजपुर द्वारा शहर में आवारा (सड़क पर रहने वाले) कुत्तों के रेबीज़ रोधी टीकाकरण एवं नसबंदी (ठ्ठद्बद्बड्डद्य क्चद्धद्गह्लद्ध ष्टश्वठ्ठह्लद्गह्यद्य) अभियान को तेज गति से संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आवारा कुत्तों की संख्या का वैज्ञानिक एवं मानवीय तरीके से नियंत्रण करना, रेबीज़ जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम करना तथा आम नागरिकों एवं पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षित टीम द्वारा आवारा कुत्तों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उनका स्वास्थ्य परीक्षण, रेबीज़ रोधी टीकाकरण एवं नसबंदी की जा रही है। ऑपरेशन के पश्चात आवश्यक देखभाल एवं स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करने के उपरांत उन्हें पुनः उसी क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने अभियान को प्रभावी एवं समयबद्ध ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि शहर में आवारा कुत्तों से संबंधित समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उनके निर्देशन में नगर पालिका परिषद द्वारा अभियान में तेजी लाते हुए विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। नगर पालिका परिषद, सूरजपुर द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि अभियान के दौरान संबंधित टीम को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा किसी भी क्षेत्र में आवारा कुत्तों की अधिक संख्या अथवा उनसे संबंधित किसी समस्या की स्थिति में इसकी सूचना नगर पालिका परिषद को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित की जा सके।

खरीफ 2026 में किसानों को पूर्व वर्ष के आधार पर मिलेगा यूरिया उर्वरक

सहकारी क्षेत्र के माध्यम से संतुलित एवं सुव्यवस्थित वितरण सुनिश्चित करने संशोधित दिशा-निर्देश जारी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा खरीफ वर्ष 2026 में सहकारी क्षेत्र के माध्यम से यूरिया उर्वरक के वितरण हेतु संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन निर्देशों का मुख्य उद्देश्य किसानों को समय पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा उर्वरक का संतुलित एवं सुव्यवस्थित वितरण करना है, ताकि खेती-किसानी का कार्य निर्बाध रूप से संचालित हो सके।

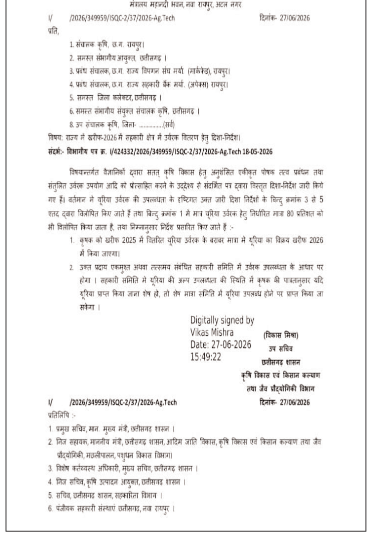
छत्तीसगढ़ शासन
कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा
जैव प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर

I/ /2026/349959/ISQC-2/37/2026-Ag.Tech दिनांक- 27/06/2026

प्रति,
1. संचालक कृषि, छ.ग. रायपुर।
2. समस्त संभागीय आयुक्त, छत्तीसगढ़।
3. प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य विपणन संघ मर्या. (मार्कफेड), रायपुर।
4. प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्या. (अपेक्स) रायपुर।
5. समस्त जिला कलेक्टर, छत्तीसगढ़।
6. समस्त संभागीय संयुक्त संचालक कृषि, छत्तीसगढ़।
8. उप संचालक कृषि, जिला- ....(सर्व)

विषय: राज्य में खरीफ-2026 में सहकारी क्षेत्र में उर्वरक वितरण हेतु दिशा-निर्देश।
संदर्भ:- विभागीय पत्र क्र. I/424332/2026/349959/ISQC-2/37/2026-Ag.Tech 18-05-2026

विषयान्तर्गत वैज्ञानिकों द्वारा सतत कृषि विकास हेतु अनुशंसित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा संतुलित उर्वरक उपयोग आदि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संदर्भित पत्र द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं। वर्तमान में यूरिया उर्वरक की उपलब्धता के दृष्टिगत उक्त जारी दिशा निर्देशों के बिन्दु क्रमांक 3 से 5 एतद द्वारा विलोपित किए जाते हैं तथा बिन्दु क्रमांक 1 में मात्र यूरिया उर्वरक हेतु निर्धारित मात्रा 80 प्रतिशत को भी विलोपित किया जाता है, तथा निम्नानुसार निर्देश प्रसारित किए जाते हैं :-
1. कृषक को खरीफ 2025 में वितरित यूरिया उर्वरक के बराबर मात्रा में यूरिया का विक्रय खरीफ 2026 में किया जाएगा।
2. उक्त प्रदाय एकमुश्त अथवा तत्समय संबंधित सहकारी समिति में उर्वरक उपलब्धता के आधार पर होगा। सहकारी समिति में यूरिया की अल्प उपलब्धता की स्थिति में कृषक की पात्रतानुसार यदि यूरिया प्राप्त किया जाना शेष हो, तो शेष मात्रा समिति में यूरिया उपलब्ध होने पर प्राप्त किया जा सकेगा।

Digitally signed by
Vikas Mishra
Date: 27-06-2026
15:49:22
(विकास मिश्रा)
उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
कृषि विकास एवं किसान कल्याण
तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग

I/ /2026/349959/ISQC-2/37/2026-Ag.Tech दिनांक- 27/06/2026
प्रतिलिपि :-
1. प्रमुख सचिव, मान. मुख्य मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन।
2. निज सहायक, माननीय मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग।
3. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन।
4. निज सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, छत्तीसगढ़ शासन।
5. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सहकारिता विभाग।
6. पंजीयक सहकारी संस्थाएं छत्तीसगढ़, नवा रायपुर।

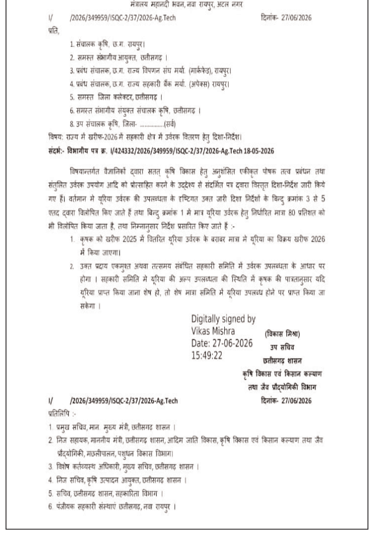
छत्तीसगढ़ शासन
कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा
जैव प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर

I/ /2026/349959/ISQC-2/37/2026-Ag.Tech दिनांक- 27/06/2026

प्रति,
1. संचालक कृषि, छ.ग. रायपुर।
2. समस्त संभागीय आयुक्त, छत्तीसगढ़।
3. प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य विपणन संघ मर्या. (मार्कफेड), रायपुर।
4. प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्या. (अपेक्स) रायपुर।
5. समस्त जिला कलेक्टर, छत्तीसगढ़।
6. समस्त संभागीय संयुक्त संचालक कृषि, छत्तीसगढ़।
8. उप संचालक कृषि, जिला- ....(सर्व)

विषय: राज्य में खरीफ-2026 में सहकारी क्षेत्र में उर्वरक वितरण हेतु दिशा-निर्देश।
संदर्भ:- विभागीय पत्र क्र. I/424332/2026/349959/ISQC-2/37/2026-Ag.Tech 18-05-2026

विषयान्तर्गत वैज्ञानिकों द्वारा सतत कृषि विकास हेतु अनुशंसित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा संतुलित उर्वरक उपयोग आदि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संदर्भित पत्र द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं। वर्तमान में यूरिया उर्वरक की उपलब्धता के दृष्टिगत उक्त जारी दिशा निर्देशों के बिन्दु क्रमांक 3 से 5 एतद द्वारा विलोपित किए जाते हैं तथा बिन्दु क्रमांक 1 में मात्र यूरिया उर्वरक हेतु निर्धारित मात्रा 80 प्रतिशत को भी विलोपित किया जाता है, तथा निम्नानुसार निर्देश प्रसारित किए जाते हैं :-
1. कृषक को खरीफ 2025 में वितरित यूरिया उर्वरक के बराबर मात्रा में यूरिया का विक्रय खरीफ 2026 में किया जाएगा।
2. उक्त प्रदाय एकमुश्त अथवा तत्समय संबंधित सहकारी समिति में उर्वरक उपलब्धता के आधार पर होगा। सहकारी समिति में यूरिया की अल्प उपलब्धता की स्थिति में कृषक की पात्रतानुसार यदि यूरिया प्राप्त किया जाना शेष हो, तो शेष मात्रा समिति में यूरिया उपलब्ध होने पर प्राप्त किया जा सकेगा।

Digitally signed by
Vikas Mishra
Date: 27-06-2026
15:49:22
(विकास मिश्रा)
उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
कृषि विकास एवं किसान कल्याण
तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग

I/ /2026/349959/ISQC-2/37/2026-Ag.Tech दिनांक- 27/06/2026
प्रतिलिपि :-
1. प्रमुख सचिव, मान. मुख्य मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन।
2. निज सहायक, माननीय मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग।
3. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन।
4. निज सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, छत्तीसगढ़ शासन।
5. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सहकारिता विभाग।
6. पंजीयक सहकारी संस्थाएं छत्तीसगढ़, नवा रायपुर।

जारी निर्देशों के अनुसार खरीफ वर्ष 2025 में किसानों को वितरित यूरिया उर्वरक की मात्रा के आधार पर ही खरीफ 2026 में यूरिया उर्वरक का विक्रय किया जाएगा। उर्वरक का प्रदाय किसानों को एकमुश्त अथवा संबंधित सहकारी समिति में उस समय उपलब्ध यूरिया की मात्रा के आधार पर किया जाएगा।

ऐसी स्थिति में जहाँ किसी सहकारी समिति में यूरिया की अल्प उपलब्धता के कारण कोई किसान अपनी पात्रता अनुसार संपूर्ण मात्रा प्राप्त नहीं कर पाता है, वहाँ शेष पात्र मात्रा समिति में यूरिया उपलब्ध होने पर संबंधित किसान द्वारा प्राप्त की जा सकेगी। इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक पात्र किसान को उसकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक समय पर मिल सके तथा किसी भी किसान को असुविधा का सामना न करना पड़े। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे अपनी वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप ही यूरिया का उपयोग करें तथा मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाकर अपनी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करें। असंतुलित एवं अत्यधिक उर्वरक उपयोग से जहाँ मृदा की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है, वहीं अनावश्यक व्यय भी बढ़ता है, अतः वैज्ञानिक पद्धति से उर्वरक का उपयोग किसानों के हित में है। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए किसान अपने निकटतम प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति, कृषि विस्तार अधिकारी अथवा कृषि विभाग के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

उद्यम पंजीयन तक सीमित न रहें, युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उद्यमी बनाएं : कलेक्टर श्रीमती रेना जमील

बांस उद्योग, होम स्टे, माटीकला और वनांचल क्षेत्रों में प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश

सूरजपुर (ब्यूरो दैनिक विश्व)-सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आज रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उद्योग विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा जिले में कार्यरत संबंधित एजेंसियों की बैठक लेकर जिले में स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में संचालित गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने युवा और महिलाओं को उद्यम से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य केवल उद्यम पंजीयन तक सीमित न रहे, बल्कि इच्छुक हितग्राहियों को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान कर उन्हें वास्तविक रूप से उद्यमी बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि विविध गतिविधियों के माध्यम से युवा एवं महिलाओं को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले में बांस आधारित उद्योग की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में बांस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिसका उपयोग कर बेहतर उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। इसके लिए उन्होंने सर्वेक्षण कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने तथा मास्टर प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने दूरस्थ वनांचल क्षेत्र ओड़गी विकासखंड में भी लोगों को उद्यम से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही जिले में होम स्टे को प्रोत्साहित करने, कृषि, माइनिंग, उद्यानिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उद्यम आधारित इकाइयों के विकास की दिशा में कार्य करने को कहा। बैठक में उन्होंने तेलईकछार में संचालित माटीकला बोर्ड के साथ समन्वय स्थापित कर मिट्टी के खिलौने निर्माण को बढ़ावा देने की बात कही। इस क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर विकसित किए जा सकें।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने Q1FY27 में शानदार परफॉर्मेंस दिया, 16.11 लाख यूनिट्स बेचीं,

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने Q1FY 27 (अप्रैल-जून 2026) में लगातार अच्छा परफॉर्मेंस दिया, जिसमें कुल 16.11 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि Q1FY26 (अप्रैल-जून 2025) में यह 13.75 लाख यूनिट्स थी, जिससे ङ्मश्वङ्म में 17न्न की ग्रोथ हुई। Q1FY27 के दौरान, घरेलू बिक्री 14.13 लाख यूनिट्स रही, जबकि Q1FY26 की इसी अवधि में यह 12.28 लाख यूनिट्स थी, जिससे YoY में 15% की ग्रोथ हुई। Q1FY 27 में एक्सपोर्ट 1.98 लाख यूनिट रहा, जबकि Q1FY26 में यह 1.46 लाख यूनिट था, जिससे YoY में 36% की बढ़ोतरी हुई।

एचएमएसआई के परफॉर्मेंस पर कमेंट करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, हमने पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में FY2027 की पहली तिमाही में अच्छी ग्रोथ देखी है, जिसे स्थिर डिमांड की स्थिति से सपोर्ट मिला है। यह डिसिप्लिन्ड एग्जीक्यूशन पर हमारे लगातार फोकस और कस्टमर और मार्केट की बदलती जरूरतों के साथ बने रहने की हमारी कोशिशों को दिखाता है।

नदी में नहाने गए 12 वर्षीय बालक की डूबने से मौत

बलरामपुर। जिले के विजयनगर गांव में शनिवार को नदी में नहाने के दौरान 12 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान विनोद यादव उर्फ डिंपल (12) के रूप में हुई है। वह अतिथि शिक्षक शिवलाल यादव का पुत्र था। जानकारी के अनुसार, विनोद शनिवार दोपहर अपने दो दोस्तों के साथ घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित बाकी नदी में नहाने गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ मौजूद एक साथी ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसका हाथ छूट गया और वह पानी में समा गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीण पवन यादव करीब 12 फीट गहरे पानी में उतरकर लगभग आधे घंटे तक तलाश करते रहे।

संपादकीय

अनुसंधान परिवेश की कमजोरियां....

क्या अपनी खास जरूरतों के मुताबिक एआई का संप्रभु सिस्टम एवं प्रतिमान विकसित करने की दिशा में भारत बढ़ रहा है? जियो का प्रस्तावित 'संप्रभु एआई बैकबॉन' क्या इस कमी को पूरा कर पाएगा? रिलायंस जियो ने भारत की संप्रभु आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) रीढ़ निर्मित करने का इरादा जताया है। कंपनी की 49वीं वार्षिक आम बैठक में प्रबंधक निदेशक मुकेश अंबानी ने जियो के उपभोक्ताओं के लिए जियो कॉल-एजेंट और एआई संचालित माई-जियो ऐप लॉन्च करने की घोषणा भी की। रिलायंस साधन संपन्न कंपनी है। अतीत में उपभोक्ता अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में लीक से हट कर नई पहल करने और उनमें बड़ी कामयाबियां हासिल करने में वह सफल रही है। इस रिकॉर्ड को देखते हुए लाजिमी है कि उसके हर एलान से लोगों गहरी दिलचस्पी पैदा होती है। कॉल-एजेंट 'हे जियो' कहने भर से कॉल ट्रांसक्रिप्शन, सारांश, एक्शन आइटम, रिमाइंडर, मीटिंग नोट्स, राइड बुकिंग, फूड ऑर्डर, टेबल रिज़र्वेशन आदि जैसी सेवाएं देगा। इसका इस्तेमाल भारत की सभी भाषाओं में किया जा सकेगा। बहरहाल, यह कोई नई राह बनाने वाली बात नहीं है। यह पहल इस समझ के अनुरूप ही है कि भारत एआई यूजर्स के सबसे बड़े बाजार के रूप में उभर सकता है। असल मुद्दा यह है कि क्या अपनी खास जरूरतों के मुताबिक एआई का संप्रभु सिस्टम एवं प्रतिमान विकसित करने की दिशा में भारत बढ़ रहा है? जियो का प्रस्तावित 'संप्रभु एआई बैकबॉन' क्या इस कमी को पूरा कर पाएगा? रिलायंस ने जामनगर में स्थित डेटा सेंटर, कच्छ स्थित क्लीन एनर्जी हब, एनविडिया के जीबी-300 चिप आधारित जीपीयू के उत्पादन आदि की योजना के जरिए इस दिशा में महत्त्वपूर्ण दावा किया है। लेकिन कंपनी यह दावा तभी पूरा कर सकेगी, अगर वह डेटा सेंटर के साथ-साथ एआई हार्डवेयर उत्पादन का भी स्वदेशी ढांचा खड़ा करे। एनवीडिया के चिप संप्रभु होने की गुंजाइश नहीं देते। उन पर अमेरिकी सरकार का नियंत्रण बना रहता है, जैसाकि चीन के मामले में जाहिर हुआ था। फिर रिलायंस की अमेरिकी कंपनी मेटा के साथ गहरी रणनीतिक साझेदारी है। अब तक रिलायंस हार्डवेयर और सॉफ्टेवेयर के मामले बाहर से आयात और मोटे तौर पर अमेरिकी प्रतिमानों पर निर्भर रही है। देश में तकनीक इन्फ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान परिवेश की कमजोरियां भी इसकी एक बड़ी वजह हैं। क्या अब अपने बड़े इरादे के बूते रिलायंस इनसे उबर पाएगी, यह अहम सवाल है?

आलेख

भारत ने सबसे बड़े ऊर्जा संकट का कैसे सामना किया

हरदीप सिंह पुरी

जब फरवरी के अंत में होर्मुज की खाड़ी बंद हुई, तो भारत सरकार ने एक प्राथमिकता का चयन किया - हमारे देश के नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर समुदायों, को अभूतपूर्व आपूर्ति और मूल्य व्यवधानों से सुरक्षित रखना। इस प्राथमिकता के आस-पास ही अन्य प्रयास किये जाने थे। यह भावना खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की थी और यह आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा व्यवधान के लगभग चार महीनों तक बनी रही। तथ्यों के पता चलने से पहले ही भारत को लेकर निर्णय किये जा रहे थे- तर्क यह था कि एक ऐसा देश, जो अपने कच्चे तेल का 85त्न से अधिक आयात करता है, होर्मुज के बंद होने से संभल नहीं पायेगा, जिससे होकर दुनिया का 20-30त्न से अधिक हाइड्रोकार्बन गुजरता है। पेट्रोल पंप में कुछ ही दिनों में तेल ख़त्म हो जाएगा, कीमतें आसमान छुएंगी (जैसे कि कई अन्य देशों में हुआ) और अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। आज स्टॉक भरे हुए हैं, पंप खुले हैं, और भारतीय उपभोक्ता ने इस संकट के दौरान ऊर्जा के लिए दुनिया के किसी भी अन्य उपभोक्ता की तुलना में कम भुगतान किया है। यह स्पष्ट करना जरूरी है कि इसे कैसे किया गया और इससे गलत आख्यानों को जवाब भी मिल जाएगा। 28 फरवरी को ईरान पर हमलों से वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर सबसे महत्वपूर्ण मार्ग-खंड बंद हो गया और एलपीजी आपूर्ति ने भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती पेश की, क्योंकि दुनिया में केवल अमेरिका और मध्य पूर्व ही प्रमुख एलपीजी निर्यातक हैं। भारत की लगभग 60त्न एलपीजी पहले मध्य पूर्व से आती थी और यह आपूर्ति तुरंत लगभग शून्य हो गई। फिर आपूर्ति और मांग, दोनों को लेकर एक युद्धकक्ष ऑपरेशन शुरू हुआ, हर कार्गो, हर रिफाइनरी, हर बॉटलिंग प्लांट की निगरानी की गयी, ताकि पूरे देश के सभी रसोईघरों में खाना पकाने के लिए आग जलती रहे। आपूर्ति के संबंध में, 8 मार्च को एलपीजी नियंत्रण आदेश पारित किया गया, जिसके तहत सभी रिफाइनरियों को अपना एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने के लिए सभी सी3-सी4 कार्बन स्ट्रीम को बदलने का निर्देश दिया गया। जो रिफाइनरी कभी कुकिंग गैस नहीं बनाती थीं, बदलाव किया गया और उत्पादन 35 टीएमटी प्रति दिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रति दिन हो गया। युद्ध की सर्वाधिक विभीषिका के दौरान, जब होर्मुज से कोई भी जहाज बाहर नहीं निकल रहा था, तब 12 से अधिक भारतीय एलपीजी जहाजें चुपचाप होर्मुज से बिना कोई टोल दिए निकाल दी गईं - किसी भी देश के लिए यह सबसे बड़ी संख्या थी। कार्गो सुरक्षित किए गए तथा यानबू और फुजैरा बंदरगाहों से लाल सागर रास्ते के जरिए कार्गो जहाज-से-जहाज स्थानांतरित किये गये। अमेरिका से कार्गो को सुरक्षित करने की स्थिति में भी खाली जहाज भेजे गए, नए माल लेने के लिए जहाज हॉर्मुज के अंदर भेजे गए तथा अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे कई देशों के साथ नई आपूर्ति व्यवस्था शुरू की गयी। मैंने हर उस देश के ऊर्जा मंत्री से कई बार बात की, जो एलपीजी निर्यात कर सकता था। मैं यह बात कहना चाहता हूँ कि खाड़ी क्षेत्र के अंदर या बाहर का हर उत्पादक, जिसके साथ हमने व्यापार किया, हमारे साथ खड़ा रहा। हालांकि, आपूर्ति प्रयास का केवल आधा हिस्सा था, क्योंकि मांग को भी प्राथमिकता देना जरूरी था। घरों में जाने वाला रसोई गैस पूरा सुरक्षित रखा गया और इस कीमती आपूर्ति को काले बाज़ारियों से बचाने के लिए डिजिटल सत्यापन कोड अनिवार्य किया गया। हर नागरिक को उनके ज़रूरत के समय सिलेंडर मिलें, लेकिन कोई भी सिलेंडर जमा न कर सके, इसके लिए 25 दिन और 45 दिन की सीमा लगाई गई। चूँकि, वाणिज्यिक सिलेंडरों को नियंत्रित नहीं किया जाता और कोई भी खरीदार उपलब्ध पूरी आपूर्ति एक साथ खरीद सकता था, इसलिए इन्हें उद्योग संघों और राज्य नागरिक आपूर्ति विभागों के माध्यम से भेजा गया, ताकि हर किसी को पर्याप्त मिले और कोई भी जमा न कर सके। उद्योग को पाइप प्राकृतिक गैस अपनाने के लिए कहा गया, बड़े रसोईघरों और प्रतिष्ठानों को अन्य ईंधनों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जहाँ संभव था और घरेलू पाइप गैस और सीएनजी को बिना कटौती वाले वर्ग में रखा गया। सरकार के सभी विभागों ने मिलकर नगर निगम की शीघ्र मंज़ूरी के ज़रिए पाइप गैस कनेक्शनों की ओर बदलाव को संभव बनाया। कई उपभोक्ता, जिनमें प्रवासी भी शामिल थे, एजेंट से सिलेंडर खरीदते थे, जो अब डीएसी की शर्तों के कारण सिलेंडर नहीं ला पा रहे थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी-राष्ट्र प्रथम का अमर संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं। श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी। लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हौसले को कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी भी उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में आर्टिकल 370 और 35( ) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी। डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय

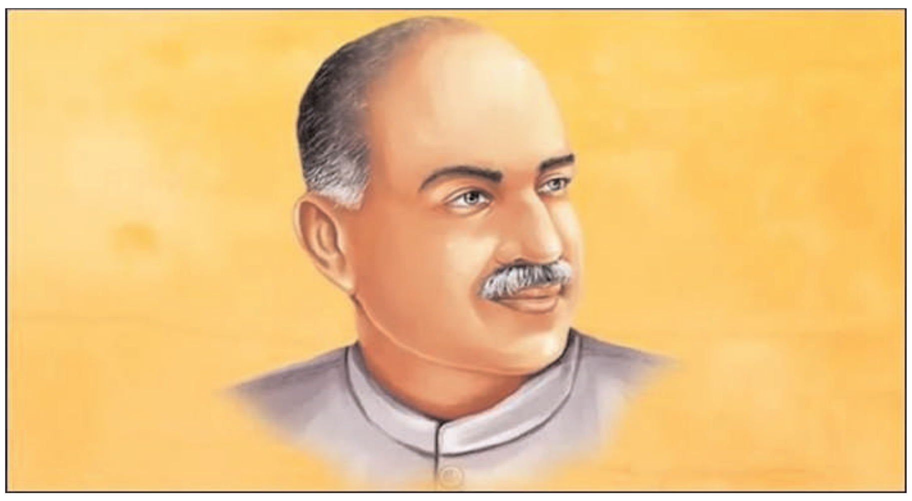

मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके लिए उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय की सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, ''शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।'' कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24 जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था। उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीपक' यानि मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस-पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे। यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे। 75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली-भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया। डॉ. मुखर्जी अपनी मानवीय संवेदनाओं और सेवाभाव के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। वर्ष 1943 में जब बंगाल भीषण अकाल की त्रासदी से जूझ रहा था, तब उन्होंने पीड़ितों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि लोगों को भोजन मिल सके, जिसके लिए कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए गए। एक ओर वे लोगों की पीड़ा से बहुत व्यथित थे, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश हुकूमत की असंवेदनशीलता से अत्यंत आक्रोशित भी थे। उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए पंचाशेर मन्वंतर नाम की एक किताब भी लिखी। 1942 में जब मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया, तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों का नेतृत्व किया। कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, ''आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।'' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा जशपुर

सुनील त्रिपाठी, नूतन सिदार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विविध पर्यटन स्थलों के कारण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्राकृतिक वादियां, झरने और शांत वातावरण पर्यटकों को कर रहे आकर्षित प्राकृतिक वादियां, झरने और शांत वातावरण पर्यटकों को कर रहे आकर्षित हरी-भरी पहाड़ियां, घने साल के जंगल, कल-कल बहते झरने, स्वच्छ नदी-नाले और शांत वातावरण जशपुर को प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनाते हैं। महानगरों की व्यस्त और भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर सुकून के कुछ पल बिताने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। प्राकृतिक वादियां, झरने और शांत वातावरण पर्यटकों को कर रहे आकर्षितजशपुर में प्रकृति, रोमांच, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम देखने को मिलता है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में स्थित पर्यटन स्थल हर वर्ष हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। जशपुर मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित रानीदाह जलप्रपात हरी-भरी पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच स्थित है। वर्षा ऋतु में इसकी प्राकृतिक छटा और भी मनमोहक हो जाती है। यह पिकनिक एवं प्रकृति प्रेमियों के लिए पसंदीदा स्थल है। बगीचा विकासखंड में स्थित कैलाश गुफा घने जंगलों के बीच प्राकृतिक रूप से निर्मित अद्भुत गुफा है। यहां भगवान शिव का मंदिर तथा संत गहिरा गुरु का आश्रम स्थित है। यह स्थान आध्यात्मिक शांति एवं प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम संगम प्रस्तुत करता है। बगीचा विकासखंड का राजपुरी जलप्रपात अपनी प्राकृतिक सुंदरता और मनोरम वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहां पहुंचकर पर्यटक प्रकृति के बीच अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त करते हैं। कुनकुरी विकासखंड का मयाली नेचर कैम्प एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां बोटिंग सहित प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है। विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग ङ्क मधेश्वर पहाड़ कुनकुरी क्षेत्र में स्थित मधेश्वर पहाड़ प्राकृतिक रूप से शिवलिंग के आकार का विशाल पर्वत है। इसे विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। यह स्थल धार्मिक आस्था और प्राकृतिक आश्चर्य दोनों का अद्भुत उदाहरण है। फरसाबहार विकासखंड में ईब नदी के तट पर स्थित कोतेबिरा अपनी विशाल प्राकृतिक चट्टानों, शांत वातावरण और मनोहारी पहाड़ी श्रृंखलाओं के लिए प्रसिद्ध है। बगीचा विकासखंड स्थित खुडिया रानी गुफा ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व का महत्वपूर्ण स्थल है, जहां प्रकृति और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। जशपुर सड़क मार्ग से प्रदेश के प्रमुख शहरों से सुगमता से जुड़ा हुआ है। निकटतम रेलवे स्टेशन रांची (झारखंड) और झारसुगुड़ा (ओडिशा) हैं। रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाई अड्डे तथा झारसुगुड़ा हवाई अड्डे तक हवाई यात्रा कर पर्यटक लगभग तीन घंटे की सड़क यात्रा के बाद जशपुर पहुंच सकते हैं। रायगढ़, सरगुजा और बिलासपुर से भी सड़क मार्ग द्वारा जशपुर तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पांच होमस्टे स्थापित किए गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों को होमस्टे संचालन, आतिथ्य प्रबंधन एवं पर्यटक सेवाओं का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है, जिससे स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। जिला प्रशासन ने केरे गांव को एक आकर्षक एवं भरोसेमंद ग्रामीण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है।

सड़क पर पैदल चलना:अब मौलिक अधिकार

डा. निधि शर्मा

सड़क पर चलना कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है। यदि भारत को वास्तव में मानव-केंद्रित विकास की दिशा में आगे बढना है, तो पैदल यात्रियों की सुरक्षा तय करनी होगी भारत में विकास की पहचान अक्सर चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे से की जाती है। लेकिन विकास का वास्तविक अर्थ केवल तेज गति से दौड़ते वाहनों की सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और गरिमा भी है। दुर्भाग्य से हमारे देश में सड़क पर पैदल चलने वाले व्यक्ति को आज भी सबसे कमजोर और उपेक्षित सड़क उपयोगकर्ता माना जाता है। यही कारण है कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं लोगों को उठाना पड़ता है जिनके पास कोई वाहन नहीं होता। हाल ही में एक अत्यंत दुखद मामले की सुनवाई के दौरान देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। एक पिता अपने पांच वर्षीय पुत्र को स्कूल छोडने जा रहा था, तभी एक सड़क दुर्घटना में मासूम बच्चे की जान चली गई। मुआवजे की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि पैदल चलने का अधिकार संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए तथा सड़कों पर पैदल यात्रियों के अधिकारों को मोटर वाहनों से ऊपर रखा जाना चाहिए। यह टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की सड़क सुरक्षा व्यवस्था और विकास की सोच पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (1)-डी में देश के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। सर्वोच्च न्यायालय भी समय-समय पर इन अनुच्छेदों की व्यापक व्याख्या करते हुए गरिमामय जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जीवन को भी इसका हिस्सा मान चुका है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या सड़क पर सुरक्षित रूप से चलना भी नागरिक के जीवन के अधिकार का हिस्सा नहीं होना चाहिए? यदि कोई व्यक्ति घर से निकलकर सड़क पार करने में ही अपनी जान गंवा दे, तो उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का दावा कितना सार्थक रह जाता है? भारत में सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर सार्वजनिक संकट बन चुकी हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और डेढ़ लाख से अधिक

लोगों की मृत्यु हो जाती है। औसतन प्रति वर्ष 30500 से अधिक पैदल यात्रियों की जान चली जाती है। कुल पैदल यात्रियों में से लगभग 31 प्रतिशत राष्ट्रीय मार्गों पर काल का ग्रास बन जाते हैं। ये आंकड़े पूरे विश्व में सबसे अधिक हैं। इनमें बड़ी संख्या पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और अन्य कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की होती है। तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाना, शराब पीकर ड्राइविंग करना और सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी इसके प्रमुख कारण हैं। विडंबना यह है कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 में वाहनों, चालकों और यातायात नियमों से संबंधित विस्तृत प्रावधान हैं। वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण और दंडात्मक प्रावधानों को विस्तार से परिभाषित किया गया है। लेकिन पैदल यात्रियों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और उनके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को लेकर कोई समग्र कानूनी ढांचा दिखाई नहीं देता। कानून यह तो बताता है कि वाहन कैसे चलाया जाए, लेकिन यह पर्याप्त रूप से सुनिश्चित नहीं करता कि सड़क पर चलने वाला व्यक्ति सुरक्षित कैसे रहेगा। देश के अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, और जहां हैं, वहां अतिक्रमण का कब्जा है। कई स्थानों पर जेब्रा क्रॉसिंग केवल सफेद धारियों तक सीमित हैं, जिनका वाहन चालक सम्मान नहीं करते। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास भी पैदल यात्रियों की सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध नहीं मिलते। परिणामस्वरूप सड़कें नागरिकों के बजाय वाहनों के लिए अधिक अनुकूल दिखाई देती हैं। अब समय आ गया है कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे। जिस प्रकार बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के लिए विशेष कानून बनाए गए हैं, उसी प्रकार पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी एक व्यापक राष्ट्रीय नीति या स्वतंत्र कानून बनाया जाना चाहिए। सड़कों के निर्माण और यातायात प्रबंधन में पैदल यात्री प्रथम की अवधारणा को अपनाया जाना चाहिए। सरकार को प्रत्येक सड़क परियोजना में सुरक्षित फुटपाथ, जेब्रा क्रॉसिंग, अंडरपास और पैदल पुल अनिवार्य करने चाहिए। स्कूलों और अस्पतालों के आसपास विशेष सुरक्षा क्षेत्र विकसित किए जाने चाहिए। सड़क निर्माण से पहले पैदल यात्री सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही तेज रफ्तार या लापरवाही से वाहन चलाकर पैदल यात्रियों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कठोर दंड सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विकसित देशों ने सड़क को केवल वाहनों के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों के लिए साझा सार्वजनिक स्थान माना है। इसलिए वहां पैदल चलना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक संरक्षित नागरिक अधिकार के रूप में देखा जाता है।

दिगम्बर जैनाचार्य ज्ञानभूषण महाराज का जम्बूस्वामी तपोभूमि बोलखेड़ा में मंगल प्रवेश

■ भोगों रोगों में गुजर रही जिंदगी में भगवान महावीर और राम के आदर्शों की आवश्यकता : आचार्य ज्ञानभूषण

बोलखेड़ा (विश्व परिवार)। जैन धर्म के अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बूस्वामी की पावन तपोभूमि बोलखेड़ा में प्रात:कालीन बेला में दिगम्बर जैनाचार्य श्री 108 ज्ञानभूषण महाराज ससंघ का भव्य एवं मंगलमय प्रवेश हुआ। आचार्य संघ के आगमन से समूचा क्षेत्र धर्ममय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

गांव के मुहाने से श्रद्धालुओं ने आचार्य संघ का भक्ति एवं श्रद्धा के साथ स्वागत किया। 'जय जिनेन्द्र' एवं जैन धर्म के जयकारों के मध्य श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा के रूप में आचार्य संघ को गांव के मध्य स्थित प्राचीन श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर तक मंगल प्रवेश कराया।

धर्मसभा का हुआ आयोजन

इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में आचार्य ज्ञानभूषण महाराज ने अपने प्रवचनों में कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मकल्याण, संयम और आत्मचिंतन है। धर्म केवल पूजा-पाठ का विषय नहीं, बल्कि जीवन को संस्कारित एवं सदाचारी बनाने का मार्ग है। भगवान जम्बूस्वामी की तपोभूमि हमें त्याग, तप और आत्मजागरण की प्रेरणा देती है। मनुष्य यदि अपने जीवन में अहिंसा, करुणा और आत्मसंयम को धारण कर ले तो उसका जीवन सार्थक हो जाता है। रोगों और भोगों में कट रही जिंदगी में भगवान महावीर और राम के आदर्शों की अति आवश्यकता है।

संघस्थ क्षुल्लिका ज्ञान गंगा माताजी ने कहा कि आज की भागदौड़ और भौतिकता के युग में आध्यात्मिकता ही मनुष्य को मानसिक शांति और जीवन की सही दिशा प्रदान कर सकती है। उन्होंने श्रावकों से धर्म, संस्कार और सदाचार को अपने परिवार एवं नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ पंचकल्याणक उपरांत आचार्य संघ का गोविंदगढ़,सीकरी,बोलखेड़ा, पहाड़ी,फिरोजपुर झिरका होते हुए नोगावां में वर्षायोग हेतु पद विहार चल रहा है।

इस अवसर पर आसपास की जैन समाजों सीकरी, लक्ष्मणगढ़, कामां, जुरहरा सहित अनेक स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे। दीपक जैन बोलखेड़ा ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ का तीन दिवसीय प्रवास बोलखेड़ा में रहेगा, जिसके दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

तीजन बाई का जाना लोककला जगत के लिए अपूरणीय क्षति

■ विकास उपाध्याय सुबह 8 बजे एम्स पहुंच कर पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद रायपुर लोकसभा विकास उपाध्याय सुबह 8 बजे एम्स पहुंच कर तीजन बाई पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि देते हुए इसे छत्तीसगढ़ सहित संपूर्ण भारत देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया।उपाध्याय ने कहा का तीजन बाई ने अपनी दमदार आवाज , अभिनय से पड़वानी को देश दुनिया में पहचान दिलाई , हजारों मंचों पर प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का परचम विदेशों तक लहराया , लोककला के क्षेत्र में उनके इस योगदान के लिए पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित किया गया । महज 9 साल की उम्र से पंडवानी गाना प्रारंभ कर सबको आश्चर्यचकित कर छत्तीसगढ़ में इतिहास रचने का काम किया। परिवारिक संघर्ष कर उन्होंने अपने सपनों को साकार किया और देश के लिए नाम कमाया उनके जाने से कला और संस्कृति जगत में शोक की लहर दौड़ गई और ऐसी क्षति जिसका भरपाई असंभव है।

मंढा में धर्म और तप की अनूठी साधना

आचार्य वर्धमान सागर सहित 4 संतों का केशलोचन, श्रद्धालु बने साक्षी

मंढा (विश्व परिवार)। प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज की मूल बालब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश, वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज का 36 साधुओं (37 पिच्छी) के विशाल संघ सहित दीक्षा गुरु आचार्य श्री 108 धर्मसागर जी महाराज की समाधि स्थली सीकर के दर्शन एवं वंदना के लिए मंगल विहार निरंतर जारी है। इसी क्रम में शनिवार शाम करीब 7 बजे आचार्य श्री ससंघ का सुरेरा से मंगल विहार कर मंढा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ अगवानी कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

रविवार को आषाढ़ कृष्ण पंचमी के अवसर पर मंढा में आध्यात्मिक वातावरण के बीच आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 हितेंद्र सागर जी महाराज, आर्यिका श्री दर्शनामति माताजी एवं आर्यिका श्री निर्मोहमति माताजी ने विधिपूर्वक केशलोचन किया। इस अलौकिक तपस्या के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिलाओं ने वैराग्यमय भजनों की प्रस्तुतियां देकर केशलोचन तप की अनुमोदना की, जिससे पूरा वातावरण भक्ति, वैराग्य और संयम की भावना से ओत-प्रोत हो गया। डॉ. राजेश पंचोलिया एवं हितेश रारा ने जानकारी देते हुए बताया कि केशलोचन के पश्चात आयोजित धर्मसभा में भगवान मुनिसुव्रतनाथ की तस्वीर का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। इसके बाद विभिन्न धार्मिक सम्मान समारोह आयोजित हुए। रामगढ़ निवासी संजय कुमार पाटनी परिवार को आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जबकि मंढा निवासी एवं वर्तमान में जयपुर प्रवासी सुरभि जैन, पुत्री भागचंद जैन को शास्त्र भेंट करने का पुण्य अवसर मिला।

'केशलोचन अहंकार, ममत्व और मोह के त्याग का प्रतीक'

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि 'केशलोचन केवल बालों का त्याग नहीं, बल्कि अहंकार, ममत्व और मोह का त्याग है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के राग-द्वेष को नहीं छोड़ता, तब तक आत्मा का वास्तविक कल्याण संभव नहीं है। तप वही सार्थक है जो आत्मा को निर्मल बनाए और संयम वही श्रेष्ठ है, जो हर परिस्थिति में समभाव बनाए रखे। शरीर नश्वर है, आत्मा शाश्वत है। इसलिए शरीर की सजावट में नहीं, आत्मा की साधना में जीवन का वास्तविक सौंदर्य है। त्याग, अहिंसा और अपरिग्रह को जीवन में अपनाकर ही मोक्षमार्ग की ओर बढ़ा जा सकता है।'

'संयम का मार्ग कठिन, लेकिन जीवन को श्रेष्ठ बनाता है'

मुनि श्री 108 हितेंद्र सागर जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'केशलोचन हमें यह संदेश देता है कि जो वस्तु हमें आकर्षण और आसक्ति में बांधती है, उसे छोड़ने का साहस ही साधना है। संसार का सुख क्षणिक है, जबकि आत्मा का आनंद अनंत है। संयम का मार्ग कठिन अवश्य है, लेकिन यही मार्ग जीवन को श्रेष्ठ बनाता है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर कार्यक्रम पुष्पांजलि आज

रायपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयती दिनाक 6 जुलाई 2026 सोमवार को प्रात: 10 बजे राजधानी शहर रायपुर के जीई मार्ग में स्थित शारदा चौक के किनारे स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के समक्ष उनका सादर ससम्मान नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। दिनांक 6 जुलाई 2026 सोमवार को प्रात: 10 बजे आयोजित पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम में उनके प्रतिमा स्थल के आसपास की विशेष सफाई, स्थल की पुष्पसज्जा सहित अन्य आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थायें रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वाधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 2 के सहयोग से की जावेंगी।

शुद्ध शाकाहारी भोजन से सभी का जीवन और धर्म दोनों सुरक्षित रहेंगे: प्रमाण सागर महाराज

मधुवन (विश्व परिवार)। राष्ट्रसंत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने विद्यार्थियों के शुद्ध एवं अहिंसक खान-पान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि इस दिशा में चार स्तरों पर सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं—अभिभावक, छात्र, समाज और तपस्या।मुनि श्री ने कहा कि अभिभावकों का प्रथम दायित्व है कि वे अपने बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, बल्कि श्रेष्ठ संस्कार भी दें। यदि शिक्षा के साथ संस्कार सुरक्षित नहीं रहे, तो वह शिक्षा अधूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को ऐसे शिक्षण संस्थानों में भेजना चाहिए जहाँ उनकी धार्मिक भावनाओं तथा शुद्ध शाकाहारी खान-पान की मर्यादा सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि कई बड़े शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रयासों से अलग शाकाहारी भोजनालय की व्यवस्था सफ्लतापूर्वक प्रारंभ हुई है।

उन्होंने छात्रों से भी आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और संगठित होकर शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था के लिए सकारात्मक पहल करें। यदि इस विषय को केवल धार्मिक आस्था तक सीमित न रखकर स्वास्थ्य और आहार विज्ञान से भी जोड़ा जाए, तो समाज में इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा और अधिक लोग इससे जुड़ेंगे।

मुनि श्री ने तीसरे बिंदु पर समाज की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि संपूर्ण समाज को अहिंसक जीवनशैली के समर्थन में संगठित अभियान चलाना चाहिए। सामाजिक माध्यमों सहित विभिन्न माध्यमों से जनजागरण कर सरकार और शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन तक यह मांग पहुँचाई जाए कि अहिंसक एवं शुद्ध शाकाहारी विद्यार्थियों के लिए पृथक भोजन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इससे सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

चौथे बिंदु पर उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि कभी उचित भोजन उपलब्ध न हो तो उसे तपस्या का अवसर मानें। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों का उदाहरण दिया जिन्होंने एक समय भोजन कर अथवा कठिन परिस्थितियों में भी अपने धार्मिक सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और अपनी साधना को बनाए रखा। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प और आत्मनिष्ठा से हर कठिनाई पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

मुनि श्री ने अभिभावकों को भी आत्मचिंतन की प्रेरणा देते हुए कहा कि यदि वे चाहते हैं कि उनके बच्चे अपने धार्मिक सिद्धांतों पर अडिग रहें, तो उन्हें स्वयं भी ऐसे बहु-व्यंजन होटल और रेस्तराँ में भोजन करने से बचना चाहिए, जहाँ शाकाहारी और मांसाहारी भोजन एक साथ बनता और परोसा जाता है। बच्चों में संस्कार उपदेश से नहीं, बल्कि परिवार के आचरण से विकसित होते हैं।अपने उद्बोधन के अंत में मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे शुद्ध शाकाहार और अहिंसक जीवनशैली के समर्थन में एक व्यापक जन-जागरण अभियान चलाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि अभिभावक, विद्यार्थी, समाज और स्वयं युवा वर्ग इन चार सूत्रों का ईमानदारी से पालन करें, तो देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा सकती है।

एस एफएस दिगम्बर जैन मंदिर का 36 वां वार्षिक उत्सव

जयपुर (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर का 36 वां त्रीदिवसीय वार्षिक उत्सव में दूसरे दिन रविवार को प्रात: श्री जी के अभिषेक शांतिधारा के बाद साल में एक बार किये जाने वाले मंदिर जी के तीनों शिखरों में विराजमान जिनबिम्बों के अभिषेक किये गये। मंत्री सोभाग मल जैन ने बताया कि मूलनायक भगवान आदिनाथ पर संतोष - अनीता , शुभम , शालिनी , अजमेरा परिवार रूपनगढ़ वाले ने भगवान महावीर स्वामी पर दिनेश - ललिता, मुदित निवाई वाले परिवार की तरफ से, पारसनाथ भगवान पर दिनेश, संजू, संकित, आस्था बनेठा परिवार, पांडुक शिला पर विराजमान भगवान आदिनाथ के सुरेंद्र - सुनीता, शुभम- तन्वी आयुषी, नविका हल्दैनिया परिवार सुमेर नगर वालों की ओर से विश्व में सुख शांति समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ वृहद शांतिधारा की गई।

दोपहर 12:30 बजे आचार्य विशद सागर महाराज द्वारा रचित आदिनाथ विधान पूजन मंडल पर साज संगीत भक्ति भाव से पं. नवीन जैन सांगानेर, कैलाश चंद जैन, सुनील बज द्वारा संगीतकार जिनेंद्र जैन, बबिता जैन के द्वारा भक्ति भाव से संपूर्ण करवाई गई विधान पूजन में सोधर्म इंद्र नरेंद्र - कुसुम, अंकुर - नेहा, प्रत्युष चांदवाड परिवार, भरत चक्रवर्ती हेमचंद- नीलू छाबड़ा, कुबेर इंद्र वीरेंद्र- नीना गदिया, यज्ञनायक इंद्र प्रवीण, गौरव दोषी, मनोज रजनीकांत लुहाडिया परिवार द्वारा मण्डल पर अर्घ्य चढ़ाए गए। सायंकाल 7:30 बजे युवा मंडल द्वारा श्री जी की नाचते गाते भक्तिमय महाआरती की गई। अध्यक्ष कमलेश चन्द जैन के मुताबिक सोमवार, 6 जुलाई को प्रात: श्री जी की वृहद शांतिधारा के बाद ती दिवसीय वार्षिक उत्सव का समापन होगा।

शाहपुरा जिनालय में धार्मिक अनुष्ठान के साथ सेवा कार्य

भोपाल (विश्व परिवार)। आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य जिनालय में विराजमान भोपाल आचार्य विराग विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य शाहपुरा जिनालय में, विराज मान हे उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज के सा संघ सानिध्य में प्रभु पार्श्वनाथ की आराधना पूजा विधान के साथ धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हे 48 दीपों से भक्तामर अर्चना के साथ निशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया दिगंबर जैन सोशल ग्रुप भोजपाल के तत्वाधान में निशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया, मुनि श्री ने कहा धार्मिक अनुष्ठान की सार्थकता सेवा कार्य सहयोग कार्य से होती हे , सदैव शिक्षा चिकित्सा और पर्यावरण के लिए कार्य करते रहना चाहिए, इसी में मानव जीवन की सार्थकता हे, मंदिर समिति अध्यक्ष दीप जैन सचिव अमित मोदी अन्य पदाधिकारियों ने चिकित्सकों का बहुमान किया,, इस अवसर पर चिकित्सक डॉ संदीप जैन (एंडोक्राईन), डॉ संदीप जैन (ऑर्थो), डॉ प्रॉमिस जैन (डायबिटीज), डॉ संजीव जैन (फिजियो ऑर्थो), डॉ स्वाति जैन (कैंसर रोग), डॉ रुचि जैन (फिजियो न्यूरो), डॉ नीलम जैन (जनरल फिजिशियन), डॉ अध्यात्म भंडारी जैन (स्किन स्पेशलिस्ट), डॉ एस के जैन (ऑर्थो), डॉ सलिल जैन (जनरल फिजिशियन), डॉ स्वाती जैन (एनो रेक्टल सर्जन), डॉ अंकित मिश्रा (कान.नाक.गला रोग). डॉ अंकिता उपाध्याय (स्त्री रोग) 4.डॉक्टर मानसी जैन (दंत रोग) डॉ हनी जैन (दंत रोग) ने अपनी सेवाए दी. साथ ही नि:शुल्क बोन मिनरल डेंसिटी व ब्लड टेस्ट भी किया गया. शुगर, बी पी, लिपिड प्रोफाइल आदि जांच के साथ 400 से ज्यादा मरीज़ों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण व जांच करा कर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन हासिल किया है दिगंबर जैन सोशल ग्रुप भ ?जपाल संस्था अध्यक्ष डॉक्टर संजीव जैन ने बताया ग्रुप आगे इसी तरह सामाजिक सरोकार सेवा कार्यों को प्राथमिकता देगा. शिविर संयोजक उपाध्यक्ष डॉ संदीप जैन व अंकित जैन रहे।

केदार कश्यप की पहल से उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में शुरू होगी 'हॉर्नबिल सफारी'

■ हॉर्नबिल संरक्षण के साथ स्थानीय युवाओं को मिलेगा रोजगार का नया अवसर

■ पीवीटीजी गांवों ओढ़, अमलोर और आमामोरा में बढ़ी मालाबार पाइड हॉर्नबिल की संख्या

रायपुर (विश्व परिवार)। 'हॉर्नबिल सफारी' से तात्पर्य हॉर्नबिल पक्षियों को देखने के लिए की जाने वाली वन्यजीव सफारी या हॉर्नबिल से जुड़े प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से है। हॉर्नबिल मुख्य रूप से जंगलों, विशेषकर पश्चिमी घाट और मध्य भारत के नम पर्णपाती और सदाबहार वनों में रहना पसंद करता है।

'हॉर्नबिल सफारी' प्रारंभ करने का लिया गया निर्णय

छत्तीसगढ़ के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण और सामुदायिक विकास को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की जा रही है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप की पहल पर रिजर्व प्रबंधन द्वारा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के गांवों ओढ़, अमलोर और आमामोरा में 'हॉर्नबिल सफारी' प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। यह पहल दुर्लभ मालाबार पाइड हॉर्नबिल के संरक्षण को मजबूती देने के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित करेगी।

संरक्षण और आजीविका को साथ लेकर आगे बढ़ रहा वन विभाग

वन मंत्री श्री केदार कश्यप की सोच के अनुरूप वन विभाग वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण कार्यों को स्थानीय समुदायों की भागीदारी और आजीविका से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण कुमार पाण्डेय तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री ओ.पी. यादव के मार्गदर्शन में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में कई नवाचार किए जा रहे हैं, जिनसे वन्यजीव संरक्षण और ग्रामीण विकास को एक साथ बढ़ावा मिल रहा है।

चार वर्षों में बढ़ी हॉर्नबिल की आबादी

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में पिछले चार वर्षों के दौरान मालाबार पाइड हॉर्नबिल की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह सफ्लता एंटी-पोचिंग अभियान, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, फ्लदार वृक्षों के संरक्षण एवं रोपण तथा 'हॉर्नबिल रेस्टोरेंट' जैसी अभिनव पहल का परिणाम है। स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी ने भी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हॉर्नबिल ट्रैकिंग टीम निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

हॉर्नबिल संरक्षण के लिए गठित विशेष ट्रैकिंग टीम लगातार पक्षियों की गतिविधियों, घोंसलों और आवास क्षेत्रों की निगरानी कर रही है। वन विभाग के कर्मचारियों के साथ स्थानीय ट्रैकर्स भी इस अभियान से जुड़े हुए हैं। उनके सतत प्रयासों से ओढ़, अमलोर और आमामोरा के आसपास का वन क्षेत्र आज हॉर्नबिल के सुरक्षित आवास और आकर्षक बर्डिंग स्थल के रूप में विकसित हो चुका है।

प्रकृति प्रेमियों और शोधकर्ताओं के लिए बनेगा नया आकर्षण

प्रस्तावित हॉर्नबिल सफारी के माध्यम से पर्यटक, पक्षी प्रेमी, वन्यजीव फोटोग्राफर और शोधकर्ता प्राकृतिक वातावरण में हॉर्नबिल का अवलोकन कर सकेंगे। सफारी के संचालन के लिए प्रारंभिक चरण में दो जिप्सी वाहनों की व्यवस्था की गई है।

स्थानीय युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण और रोजगार

हॉर्नबिल सफारी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता स्थानीय समुदायों की भागीदारी है। पीवीटीजी गांवों के युवाओं और ग्रामीणों को बर्ड वॉचिंग तथा नेचर गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे पर्यटकों के लिए नेचर गाइड और हॉर्नबिल गाइड के रूप में कार्य करेंगे। इससे उन्हें स्थायी आय और रोजगार का अवसर मिलेगा तथा सामुदायिक आधारित इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा।

मध्य भारत का उभरता बर्डिंग डेस्टिनेशन

रायपुर से लगभग 130 किलोमीटर दूर स्थित उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व तेजी से मध्य भारत के प्रमुख बर्डिंग और नेचर टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यहां मालाबार पाइड हॉर्नबिल के अलावा शाहीन बाज, भारतीय पिट्टा, ब्राउन फिश आउल, ग्रे-हेडेड फिश ईगल, विभिन्न प्रजातियों के कठफोड़वा, बार्बेट, मिनिवेट सहित अनेक स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की विविधता देखने को मिलती है।

वन्यजीवों की समृद्ध जैव विविधता का केंद्र

यह क्षेत्र पक्षियों के साथ-साथ भारतीय विशाल गिलहरी (इंडियन जायंट स्क्विरल) और भारतीय विशाल उड़न गिलहरी (इंडियन जायंट फ्लाइंग स्क्विरल) जैसे दुर्लभ वन्यजीवों के लिए भी प्रसिद्ध है। यही कारण है कि यह क्षेत्र प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

संरक्षण, विकास और पर्यटन का सफ्ल संगम

विशेषज्ञों के अनुसार उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में की जा रही यह पहल इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि वैज्ञानिक वन प्रबंधन, वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय समुदायों की सहभागिता के माध्यम से संरक्षण आधारित आजीविका और सतत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। हॉर्नबिल सफारी के शुरू होने से छत्तीसगढ़ को प्राकृतिक पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी और ग्रामीण विकास को भी गति प्राप्त होगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

तनाएरा ने हाथ से बनी साड़ियों और एथनिक परिधानों के क्युरेटेड कलेक्शन पर सेल शुरू की

मुंबई: टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने अपनी सेल शुरू करने की घोषणा की है, अब तनाएरा के उपभोक्ता हाथ से बनी साड़ियां और अन्य परिधान किफ़ायती दामों पर खरीद सकते हैं। 1 जुलाई 2026 से शुरू हुई इस सेल के तहत चुनिंदा साड़ियों पर 40 फीसदी तक की छूट तथा कुर्ता एवं कुर्ता सेट पर 50 फीसदी तक की छूट मिलेगी, ये प्रोडक्ट्स तनाएरा के ऑफ्लाईन एवं ऑनलाईन स्टोर से खरीदे जा सकते हैं। सेल के पहले 5 दिनों के दौरान सदस्यों को अतिरिक्त 5 फीसदी की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। इस तरह यह सेल शादियों, त्योहारों और सीज़न के अन्य जश्नों के लिए सदाबहार पीस खरीदने का मौका लेकर आई है। भारत की समृद्ध टेक्सटाईल धरोहर के लिए विख्यात तनाएरा देश भर के जाने-माने बुनाई केंद्रों से हाथ से बुने परिधानों का एक व्यापक कलेक्शन लेकर आई है। इस सेल में ब्रांड के सबसे पसंदीदा साड़ी कलेक्शन जैसे कांजीवरम, बनारसी, साउथ सिल्क, टसर, जामदानी, संबलपुरी, इकत, चंदेरी, महेश्वरी, कोटा डोरिया आदि शामिल हैं। इनमें से हर साड़ी विभिन्न बुनाई केंद्रों की विरासत को दिखाती है। उपभोक्ता आने वाले महीनों में शादियों, त्योहारों और अन्य खास मौकों की तैयारियां शुरू कर रहे हैं, ऐसे में तनाएरा की सेल हाथ से बनी साड़ियों के साथ-साथ शुद्ध और प्राकृतिक कपड़ों से बने शानदार कुर्ते, कुर्ता सेट, ब्लाउज़ और अनस्टिच्ड सेट का बेहतरीन कलेक्शन पेश करती है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी संजोकर रखने वाली सदाबहार साड़ियां हों या हर जश्न के लिए आधुनिक एथनिक वियर, इस कलेक्शन में उपभोक्ताओं को ऐसे स्टाइल मिलेंगे, जो भारत की शानदार टेक्सटाइल विरासत को खूबसूरती से दर्शाते हैं। तनाएरा की पहचान प्रमाणिकता और शुद्धता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता है। प्योर सिल्क की हर साड़ी सिल्क मार्क से सर्टिफाइड होती है, वहीं कुछ खास कलेक्शन के साथ ज़री सर्टिफिकेशन भी मिलता है, जो गुणवत्ता के प्रति ब्राण्ड के वादे को मजबूत बनाता है। भरोसे के मूल्यों को बनाए रखते हुए तनाएरा देश की सदियों पुरानी बुनाई की परंपराओं का जश्न मनाना और उन्हें संजो करत्र रखना जारी रखे हुए है, साथ ही हाथ से बने बेहतरीन परिधान समझदार उपभोक्ताओं तक पहुँचा रही है।

सोनी इंडिया का नया अल्फा 7R VI; अपने प्रीमियम अल्फा लाइन-अप का किया विस्तार

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने अल्फा 7R VI को लॉन्च करने की घोषणा आज की। यह कैमरा कंपनी की लोकप्रिय अल्फा 7R सीरीज़ का सबसे नया मॉडल है। इसमें लगभग 66.8 इफेक्टिव मेगापिक्सल का बैक-इल्यूमिनेटेड फुली स्टैक्ड एक्समोर आरएस™ सीएमओएस सेंसर दिया गया है। इसके साथ ही इसमें सोनी का सबसे आधुनिक बायोन्ज़ एक्सआर2™ इमेज प्रोसेसिंग इंजन लगा है। इन दोनों तकनीकों के तालमेल से अल्फा 7R VI बेहतरीन रिज़ॉल्यूशन और हाई-स्पीड परफॉर्मेंस देता है। इसमें एआई-संचालित सब्जेक्ट रिकग्निशन फीचर भी शामिल है। यह कैमरा प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स और फिल्ममेकर्स के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। सोनी ने कैमरों की ऑडियो क्षमताओं को बढ़ाने के लिए XLR-A4 XLR एडाप्टर भी पेश किया है। यह एडाप्टर प्रोफेशनल फिल्म निर्माण के लिए बेहद उपयोगी है। इसमें बेहतर साउंड क्वालिटी के लिए 32-बिट फ्लोट रिकॉर्डिंग की सुविधा भी शामिल है। सोनी इंडिया के हेड-इमेजिंग एंड प्रोफेशनल सॉल्यूशन बिज़नेस, मुकेश श्रीवास्तव ने कहा, अल्फा 7R VI के साथ सोनी ने कैमरे की दुनिया में एक नया कदम बढ़ाया है। यह हमारी अल्फा आर सीरीज़ का अब तक का सबसे एडवांस कैमरा है।

बकावंड तालाब के निर्माण कार्य में मौत का पूरा इंतजाम

आधे-अधूरे बेतरतीब काम ने बढ़ाई ग्रामीणों की मुसीबत

डेढ़ करोड़ के निर्माण कार्य में लग रहे अनियमितता के आरोप

जगदलपुर। बकावंड सूक्ष्म सिंचाई तालाब का नवीनीकरण कार्य तीन साल बीतने के बावजूद पूरा नहीं हो पाया है। आधे-अधूरे बेतरतीब काम की वजह से तालाब जहां एक ओर ग्रामीणों तथा मवेशियों के आकस्मिक मौत को सीधे आमंत्रित कर रहा है वहीं बंड का इस बरसात में बहने का खतरा भी मंडरा रहा है। लापरवाही की हद तो यह है कि निर्माण कार्य शुरू होने के तीन साल बाद जल संसाधन विभाग ने 15 जून को डिमार्केशन का आवेदन तहसीलदार को दिया है ताकि आगामी ग्रीष्म ऋतु जब प्रारंभ हो तो पहले के अनियमित कामों को बारिश की भेंट चढ़ाकर नुकसान बताया जा सके। इस पूरे हेराफेरी में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत साफ नजर आ रही है, जिसका स्थानीय ग्रामीण लगातार विरोध दर्ज करा रहे हैं पर उचित कार्यवाही न होने से आक्रोशित हैं।

गौरतलब है कि बकावंड सूक्ष्म सिंचाई तालाब का निर्माण कार्य मार्च 1965 को पूरा हुआ था, तब से जलाशय और नहरों का मरम्मत कार्य नहीं हो पाया था जिसके कारण इस जलाशय की सिंचित क्षमता 73 से आधे से भी कम 31 हेक्टेयर रह गई थी इसलिए नये स्ट्रक्चर का निर्माण बहुत जरूरी था। बकावंड के ग्रामीणों की इस सम्बंध में लंबे समय से की जा रही मांग के बाद क्षेत्रीय विधायक लखेश्वर बघेल के विशेष प्रयास से तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस निर्माण कार्य को स्वीकृत किया, एक करोड़ 51 लाख 09 हजार की लागत के निर्माण कार्य का शिलान्यास स्वयं विधायक ने 28 सितम्बर 2023 को किया, अक्टूबर 2023 से काम शुरू हुआ पर अभी भी पूरा नहीं हो सका है जो विभागीय लापरवाही एवं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है।

इस नवीनीकरण कार्य मे हेड वर्क के लिए 114.91 लाख रुपये तथा केनाल वर्क के लिए 36.18 लाख रुपये की लागत तय की गई थी। खर्च कितना हुआ यह पता नहीं पर निर्माण के नाम पर लीपापोती ही कार्य स्थल पर नजर आ रहा है। जलाशय के बंड के करीब ही 6 फीट गहरी नाली खोद दी गई है जिससे ग्रामीण तालाब में उतरने से डरने लगे हैं और इस सम्बंध में कोई सूचना फ्लक न होने से दुर्घटना का खतरा मंडरा रहा है। गड्ढे से निकले मलबे को जलाशय में ही छोड़ दिया गया है। इस गड्ढे में पिचिंग की जानी थी जिससे जलाशय का बंड मजबूत हो पर अब जलभराव और रिसाव के कारण पूरे बंड के ढहने का खतरा उत्पन्न हो गया है, बरसात के मौसम में यदि बंड ढहता है तो खरीफ की फसलें पूरी तरह से डूब जाएगी। साथ ही नहर के निर्माण के लिए भी बंड को कमजोर कर यूं ही छोड़ दिया गया है। साथ ही बंड के ऊपर मुरुमीकरण न किये जाने से आवागमन भी ठप हो गया है। नवीनीकरण कार्य के तहत जलाशय से गाद निकालने का काम और गहरीकरण भी नहीं हो पाया है। सीमेंट कंक्रीट के जो काम हुए हैं वह भी इस्टीमेट से इतर हैं। लोगों के आंखों में धूल झोंकने के लिए शिलान्यास पत्थर भी गायब है। बकावंड के पूर्व सरपंच बलियार मौर्य, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जानकी राम सेठिया ने अब तक हुए निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच और लापरवाह अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग प्रशासन से की है।

कमिश्नर ने सातों जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

निवर्तमान आईजी सुंदरराज पी. एवं नव पदस्थ आईजी बद्रीनारायण मीणा का किया सम्मान

जगदलपुर/ बस्तर संभाग के कमिश्नर श्री डोमन सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित प्रेरणा सभाकक्ष में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बस्तर संभाग के सभी सात जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा वन मंडलाधिकारी शामिल हुए। बैठक की शुरुआत में निवर्तमान आईजी श्री सुंदरराज पी. एवं नव पदस्थ आईजी श्री बद्रीनारायण मीणा का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। अधिकारियों ने श्री सुंदरराज पी. के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके योगदान की प्रशंसा की तथा नव पदस्थ आईजी श्री बद्रीनारायण मीणा का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। समीक्षा बैठक में सभी जिलों के अधिकारियों ने परिचयात्मक जानकारी देते हुए अपने-अपने जिले में संचालित नवाचारों, विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों की प्रगति तथा प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। इसके साथ ही प्रत्येक जिले का संक्षिप्त परिचय देते हुए स्थानीय परिस्थितियों, उपलब्धियों और प्रमुख प्राथमिकताओं से भी अवगत कराया गया। कमिश्नर श्री सिंह ने बैठक के दौरान योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विभागों के बीच बेहतर समन्वय तथा नवाचारों को सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता वाले विषयों को बेहतर प्रशासनिक समन्वय और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से बस्तर संभाग के समग्र विकास को नई गति दिया जाए।

उड़ीसा से यूपी जा रही बोलेरो से 1.करोड़ का गांजा जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। नगरनार थाना पुलिस ने उड़ीसा से छत्तीसगढ़ के रास्ते उत्तर प्रदेश ले जाए जा रहे 214.300 किलोग्राम गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ 7 लाख 15 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल हो रही बोलेरो पिकअप गाड़ी, मोबाइल और नगदी भी जब्त की है। हालांकि, अंधेरे और बारिश का फायदा उठाकर एक आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

मुखबिर की सूचना पर धनपुंजी नाके के पास की गई घेराबंदी- एसपी शलभ कुमार सिन्हा, एएसपी महेश्वर नाग और सीएसपी सुमीत कुमार के मार्गदर्शन में नगरनार थाना प्रभारी संतोष सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उड़ीसा की ओर से एक सफेद रंग की महिंद्रा पिकअप (क्रमांक क्क-52-ञ्ज-2094) में भारी मात्रा में गांजा लेकर दो तस्कर धनपुंजी के रास्ते जगदलपुर की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम धनपुंजी फॉरेस्ट नाके के पास घेराबंदी कर नाकेबंदी कर दी।

बारिश और अंधेरे का फायदा उठाकर एक आरोपी फरार, पिकअप से बरामद हुआ गांजा- चेकिंग के दौरान जब संदिग्ध पिकअप को रोका गया, तो गाड़ी में बैठा एक आरोपी सोनू यादव (निवासी गोरखपुर, यूपी) बारिश और अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी से कूदकर उड़ीसा के चांदली जंगल की तरफ भाग निकला। पुलिस ने मौके पर वाहन चालक को दबोच लिया, जिसने अपना नाम *विजय पाण्डेय (34 वर्ष)*, निवासी राजेंद्र नगर, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) बताया। जब पिकअप की तलाशी ली गई, तो डाला के अंदर प्लास्टिक की 9 बोरियों में छिपाकर रखे गए कुल 105 पैकेट गांजा बरामद हुआ।

क्या-क्या हुआ जब्त

गांजा: 214.300 किलोग्राम (कीमत 1,07,15,000)

वाहन: महिंद्रा बोलेरो पिकअप (कीमत ,50,000)अन्य: एक सैमसंग मोबाइल और 700 नगद।

आरोपी भेजा गया जेल, टीम को मिली शाबाशी- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) द्
द्ब (ग) के तहत अपराध दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश कर दिया है। फरार आरोपी सोनू यादव की तलाश की जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में नगरनार थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह, उपनिरीक्षक सतीश यदुराज, प्रशिक्षु सब-इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक अजय साहू, तुलसीदास कश्यप, आरक्षक दशरू नाग, विक्रम उरांव, यशवंत ध्रुव, डीएसएफ आरक्षक भास्कर भारद्वाज और चालक अविनाश मांझी की मुख्य भूमिका रही।

शिक्षकों की कमी : ग्रामीणों ने अलनार प्राथमिक शाला में जड़ा ताला

शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

जगदलपुर। बस्तर विकासखंड के ग्राम बड़े अलनार की प्राथमिक शाला में शिक्षकों की भारी कमी है। इसी लेकर गुरूवार को पालकों और ग्रामीणों का आक्रोश फट पड़ा। नाराज ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़कर शिक्षा विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और तत्काल अतिरिक्त शिक्षक नियुक्त करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में लगभग 90 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है,लेकिन उनकी पढ़ाई की जिम्मेदारी केवल एक शिक्षक के भरोसे है,ऐसे में सभी कक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से संभव नहीं हो पा रहा है जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। पालकों का कहना है कि शिक्षकों की मांग को लेकर वे कई बार खंड शिक्षा अधिकारी को लिखित और मौखिक रूप से अवगत करा चुके है। इसके बावजूद करीब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी स्कूल में अतिरिक्त शिक्षक की व्यवस्था नहीं की गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि शिक्षा विभाग की उदासिनता का खामियाजा मासूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। उनका कहना है कि एक शिक्षक के भरोसे बच्चों का भविष्य चौपट हो रहा है,जबकि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्कूल में पर्याप्त की शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा,जिसकी पूरी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग और प्रशासन की होगी।

वर्षाकाल में गरीबों के आशियाने उजाड़ना भाजपा सरकार की दूषित व तुच्छ राजनीति का प्रमाण- सुशील मौर्य

ग्राम नकटी के 85 घरों की तोड़-फोड़ के खिलाफसड़क पर उतरी कांग्रेस, मुख्यमंत्री साय का पुतला दहन कर किया विरोध प्रदर्शन

जगदलपुर। आज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री दीपक बैज जी के आह्वान पर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान में व शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में आज राज्य की संवेदनहीन भाजपा सरकार द्वारा ग्राम नकटी के 85 परिवारों के आशियानों को इस भीषण वर्षाकाल में उजाड़े जाने के विरोध में उग्र प्रदर्शन कर कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने राज्य की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन किया।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री सुशील मौर्य ने भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कड़ाके की बारिश और वर्षाकाल के इस मौसम में 85 गरीब परिवारों के घरों को तोड़ना और उन्हें सिर छुपाने की जगह से महरूम कर बेघर कर देना भाजपा सरकार की दूषित, अमानवीय और तुच्छ राजनीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जो सरकार जनता को आशियाना नहीं दे सकती, उसे दूसरों का आशियाना उजाड़ने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। श्री मौर्य ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी इन पीड़ित ग्रामवासियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक हर स्तर पर लड़ाई लड़ेगी।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने आगे कहा इस अमानवीय कार्रवाई के विरोध में एकजुटता दिखाते हुए कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने भी कड़ा रुख अपनाया है। कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री को एक कड़ा पत्र लिखा है। हमारे विधायकों ने साफ संदेश दिया है कि जब तक गरीबों को न्याय नहीं मिल जाता और उनके आशियाने वापस नहीं बन जाते, तब तक वे स्वयं विधायक आवास को स्वीकार नहीं करेंगे।विधायकों ने साफकहा है कि 'गरीबों का आशियाना उजाड़ कर, वे अपना आशियाना नहीं बनाएंगे।'शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने चेतावनी दी है कि भाजपा सरकार तत्काल प्रभाव से ग्राम नकटी के प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था करे। यदि पीड़ितों को जल्द ही उचित न्याय नहीं मिला, तो कांग्रेस पार्टी इस आंदोलन को और उग्र करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। आज के इस पुतला दहन और विरोध प्रदर्शन में पूर्व विधायक रेखचंद जैन, ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,पूर्व सभापति कविता साहू,कोमल सेना,ग्रामीण अध्यक्ष महिला कांग्रेस चंपा ठाकुर, कोषाध्यक्ष रविशंकर तिवारी, महामंत्री अभिषेक नायडू, सुभाष गुलाटी,जाहिद हुसैन,अल्ताफ उल्ला खान, अमरनाथ सिंह,सुषमा सुता,अनुराग महतो,यूंका अध्यक्ष निकेत राज झा,व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र पटवा,ब्लॉक अध्यक्ष बलराम यादव,फूलसिंह बघेल, सूर्यापाणि,संतोष सेठिया, ललिता राव,प्रवक्ता जावेद खान,विजेंद्र ठाकुर,विक्रांत सिंह,सचिव मोहसिन खान,सलीम अली,शंकर सेन,वैभव नेताम,पार्षद शुभम यदू, अफरोज बेगम,जस्टिन भवानी,कमलेश पाठक,ज्योति राव,आकिब रजा,सद्दाम रजा,मनिता राऊत,शेख अयाज साहिल हियाल, हेमंत, कर्तव्य आचार्य, ललित, इंदर झज्ज, राजा तिवारी, अनफाज खान, खीरेंद्र यादव, हनुमान द्विवेदी, अंगद त्रिपाठी सहित शहर जिला कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, मोर्चा संगठन, प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसी झूठे नैरेटिव व अराजकता फैलाने की कर रही है कोशिश : अनुराग सिंहदेव

■ कांग्रेस विधायक नकटी में मकान नहीं लेने संबंधी जो पत्र लिख रहे है वो पत्र भूपेश बघेल और मोहम्मद अकबर को प्रेषित करें यह प्रस्ताव उन्हीं का था

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने कहा है कि नकटी ग्राम में हटाए गए अतिक्रमण के वास्तविक सत्य सामने आने के बाद से पूरे प्रकरण का नीर-क्षीर सत्य प्रकाश में आ गया है और इस मामले में फैलाई जा रहे झूठ और अफ्वाहों का सच भी उजागर हो गया है। श्री सिंहदेव ने रविवार को यहां भाजपा कार्यालय में आहूत एक महती पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री सिंहदेव ने इस पूरे मामले में पूरे नकटी ग्राम को उजाड़ दिए जाने के फैलाई जा रहे झूठ का प्रतिवाद करते हुए कहा कि नकटी ग्राम के कुल रकबे की वास्तविक जानकारी हम सबको होनी चाहिए। इस ग्राम की कुल आबादी 2110 है तथा इस ग्राम में शासकीय भूमि 22.736 हेक्टेयर है, निजी भूमि यहां पर 24.175 हेक्टेयर है इसके अतिरिक्त वहां पर चारागाह के रूप में कुछ अतिरिक्त भूमि है। श्री सिंहदेव ने बताया कि इस पूरे मामले में 2022 के पटवारी प्रतिवेदन में यह स्पष्ट किया गया था कि यह अतिक्रमण सिर्फ 3 हेक्टेयर शासकीय जमीन पर है। जिस पर कच्चे मकान व बाड़ी चिन्हांकित की गई थी। इसके बाद जो अतिक्रमण हुआ वह 2022 और 2023 का है। इस पूरे मामले में एक नोटशीट तहसीलदार द्वारा चलाई गई उसकी विस्तार से चर्चा करते हुए श्री सिंहदेव ने कहा कि उस समय योजनाबद्ध ढंग से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया। यह ऑनलाइन रिकॉर्ड है इससे पहले हाईकोर्ट में भी रिट दायर की गई थी। जिसमें हाईकोर्ट ने भी इस चारागाह व शासकीय भूमि माना था। श्री सिंहदेव ने कहा कि इस पर अतिक्रमण का रकबा 29000 वर्गफुट के 2 कब्जाधारी, 17000 वर्गफुट के 5 कब्जाधारी एवं 10 हजार वर्गफुट के 20 कब्जाधारी है। जहां 50 लाख तक के पक्के मकान थे।

नकटी की तोड़ फोड़ भाजपा के पाप, पत्रकार वार्ता लेने से पाप नहीं धुलेगा : सुशील आनंद शुक्ला

रायपुर (विश्व परिवार)। नकटी तोड़फोड़ मामले में भाजपा के द्वारा की जा रही पत्रकार वार्ताओ से भाजपा के गरीबो के घर उजाड़ने का पाप नहीं धुलेगा। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा की भाजपा के नेता अनुराग सिंह देव झूठ परोस रहे उनके ही विभाग के मंत्री ओपी चौधरी सहित तमाम बड़े अधिकारी खुलासा कर चुके है साय सरकार नकटी में विधायक आवास बनाने जा रही है। सरकार बताये उसकी वहा कुछ बनाने की योजना नहीं थी तो गरीबो के मकान क्यों तोड़े गए।

कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नकटी गांव में 85 आवास एवं प्रधानमंत्री आवास के मकानों की तोड़-फोड़ साय सरकार और भाजपा के गरीब विरोधी चेहरे को उजागर करता है। नकटी की तोड़-फोड़ अमानवीय अनैतिक तो है ही यह तोड़-फोड़ गैरकानूनी भी है। अमूमन मानवीय

आधार पर बारिश के समय विस्थापन की कार्यवाही नहीं की जाती है, यह छत्तीसगढ़ में 10 जून से 15 जून मानसून आने का समय माना जाता है। इस समय के बाद राज्य के जमीनों का सीमांकन भी नहीं किया जाता है। नकटी गांव में तोड़-फोड़ की कार्यवाही 29 जून को की गयी है, जो पूरी तरह से गलत और गैरकानूनी प्रक्रिया है। इस कार्यवाही में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। सरकार कानूनी कार्यवाही नहीं करेगी तो हम इस मामले को लेकर कोर्ट भी जायेंगे।

कांग्रेस संचार प्रमुख ने सुशील आनंद शुक्ला ने कहा की किसी भी विस्थापन की कार्यवाही के पहले व्यवस्थापन होना था, सरकार ने बिना व्यवस्थापन कार्य को पूरा किये वहां पर रह रहे लोगो को समान हटाने का अवसर दिये बिना तोड़-फोड़ किया, उनके घरो में बुलडोजर चलवाया। जहां पर व्यवस्थापन किया जा रहा है, वह भी वर्तमान निवास से बहुत दूर है।

कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 1 कमरे के घर में 20 से 25 सदस्यी परिवार को व्यवस्थापन दिया गया है। उनका गुजारा कैसे होगा? वहां पर बिजली, पानी जैसी मूलभूत जरूरते भी नहीं है। सरकार ने प्रभावितों को जो अस्थायी आवंटन पत्र दिया है उसके अनुसार 5.50 लाख, 8.50 लाख दो श्रेणी के मकान दिया है।

मानसून के दस्तक मात्र से सरकार के विकास की पोल खुली

■ पहली ही बारिश में राजधानी रायपुर जलमग्न, सरकार के नुमानिंदे गायब

■ भाजपा सरकार पूरी तरह विफल : विकास उपाध्याय

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में मानसून की पहली ही तेज़ बारिश ने भाजपा सरकार के विकास के दावों की पोल खोल दी है। शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। लोगों के घरों में पानी घुस गया है, जिससे अनाज, राशन, हल्दी-मसाले, कपड़े, बिस्तर, घरेलू सामान और रसोई गैस सिलेंडर तक पानी में बह गए हैं। आम नागरिक भारी आर्थिक नुकसान और परेशानी का सामना कर रहे हैं। उपाध्याय आज सुबह से राजधानी के जलभराव क्षेत्रों में चाहे वह गुड़ियारी, रामनगर, की बात करे या फिर कुशाल पुर, पुरानी बस्ती, कोटा ,प्रोफेसर कॉलोनी, देवेंद्र नगर, बजरंग नगर, जोरा पारा, टिकरा पारा, अर्जुन नगर, पारस नगर, मण्डी, नहर पारा सहित अधिकांश जगह पहुंचे और आम जनता से रूबरू हुए लेकिन सत्ता पक्ष के लोग उन जगहों से नदारत रहे।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि जब पहली ही बारिश में राजधानी का यह हाल है, तो आने वाले दिनों में स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका अंदाज़ा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम में महापौर भाजपा के हैं, सांसद भाजपा के हैं और प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है, लेकिन जनता की पीड़ा सुनने और राहत पहुँचाने वाला कोई नज़र नहीं आ रहा। पूरा प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है, जबकि लोग बिजली संकट और लगातार हो रही बारिश से त्रस्त हैं। विकास उपाध्याय ने कहा कि राजधानी की बदहाल व्यवस्था भाजपा सरकार की प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट प्रमाण है।

स्थापना दिवस पर उल्लास, भारतीय स्टेट बैंक परिवार ने काटा विशेष केक

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक का स्थापना दिवस मंगलवार को गार्डन चौक स्थित मुख्य शाखा में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बैंक के प्रतीक चिन्ह से सुसज्जित विशेष केक काटकर स्थापना दिवस की खुशियां साझा कीं।

समारोह में बैंक के वर्तमान अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पेंशनर्स संघ के वरिष्ठ सदस्य एवं पदाधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने बैंक की गौरवशाली यात्रा, उपलब्धियों और देश की आर्थिक प्रगति में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद करते हुए एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

मुख्य शाखा प्रबंधक नितिन पुरी गोस्वामी ने स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक के ग्राहकों, लाभार्थियों, पेंशनभोगियों तथा शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के विश्वास और सहयोग के कारण ही बैंक लगातार नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने बैंक की ओर से भविष्य में भी बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा ग्राहकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प व्यक्त किया।

भारत माता सेवा ट्रस्ट द्वारा सोनबरसा जंगल में किया गया बीजारोपण

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। सोनबरसा जंगल में भारत माता सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में बीजारोपण किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बलौदाबाजार जनपद उपाध्यक्ष सुमन योगेश वर्मा, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी महेंद्र वर्मा एवं नेहा वर्मा तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष टेसूलाल धुरंधर थे।पिछले कुछ दिनों से ग्राम अर्जुनी में फल सेवन पश्चात् बीजों का संग्रह का अभियान चलाया जा रहा था। इस अभियान से एकत्रित लगभग 70 - 80 किलो आम,इमली, जामुन, बेर, बहेरा,अमलतास आदि के बीजों को पेड़ तैयार करने की संकल्पना के साथ ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता अभियान के तहत सोनबरसा

जंगल में बीजारोपण किया गया।

इस अवसर पर भारत माता सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष टेसूलाल धुरंधर जी ने कहा कि आज जल, जंगल,जमीन को प्रदूषण मुक्त बनाना बहुत ही आवश्यक हो गया है। यह क्षेत्र औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है,पेड़ तैयार करने से न सिर्फ हमें प्राण वायु मिलेगी बल्कि जल, जंगल,जमीन को प्रदूषणमुक्त बनाने में सफलता भी मिलेगी। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती के लिए आग्रह करते हुए कहा कि रासायनिक खाद से न सिर्फ खेत बंजर हो रहा है अपितु हमारे स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है स्वस्थ रहने के लिए हमें पारंपरिक खेती तथा जैविक खेती को अपनाना होगा। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद जैन ने किया। इस अवसर पर योगेश वर्मा, विनय गुप्ता, मुरारी कन्नौजे, डमरूधर वर्मा, चिंतामणि साहू, जावेद सोनी, शसंतोष वर्मा, पुरेंद्र वर्मा (फौजी), मोहन वर्मा, सालिकराम वर्मा, मेघनाथ वर्मा, अमित साहू आदि उपस्थित थे।

अवैध प्लाटिंग, निर्माण, अतिक्रमण व सफाई के संबंध में विशेष सम्मिलन आज

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति श्री सूर्यकांत राठौड के आदेशानुसार नगर निगम रायपुर के सचिवालय द्वारा नगर निगम रायपुर में विशेष सम्मिलन की बैठक का आयोजन दिनांक 6 जुलाई 2026 सोमवार को प्रात: 11 बजे नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के चतुर्थ तल सामान्य सभा सभागार में रखा गया है। विशेष सम्मिलन की इस बैठक में रायपुर शहर की ज्वलंत समस्याओं जनहित से जुडे महत्वपूर्ण विषयों पर जल संबंधी, अवैध प्लाटिंग एवं निर्माण, अतिक्रमण तथा सफाई के संबंध में चर्चा की जायेगी। उपरोक्त विशेष सम्मिलन की बैठक आहूत किये जाने का अनुरोध नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्वारा दिनांक 8 जून 2026 को पत्र के माध्यम से किया गया है।

आयुक्त संबित मिश्रा ने बारिश में विभिन्न नालों की सफाई व जलभराव क्षेत्रों का किया निरीक्षण

■ नालों की मुहानों को खोलकर सफाई करवाने, नालों को कब्जामुक्त करने आवश्यक कार्रवाई करने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मानसून की पहली बारिश के दौरान रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न नालों में सफाई एवं निकास की स्थिति सहित जलभराव क्षेत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया.

आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने सम्बंधित अधिकारियों को सभी नालों के मुहानों को खोलकर सफाई करवाने के निर्देश दिए हैँ, ताकि उक्त क्षेत्रों में दोबारा जलभराव की समस्या उत्पन्न ना

होने पाए. आयुक्त ने नालों के क्षेत्र में किये गए अवैध कब्जोँ की सूची बनाकर नालों को कब्जोँ से मुक्त करने शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैँ.

आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने मानसून की पहली बारिश में नगर निगम जोन 3 क्षेत्र में वार्ड 29 में गाँधीनगर नाला, वार्ड 30 में काली नगर एवं गोरखा कॉलोनी नाला, जोन 5 में प्रोफेसर कॉलोनी, कुशालपुर, मठपारा क्षेत्र के नालों, जोन 9 क्षेत्र में आदर्श नगर मोवा नाला, छोकरा नाला, जब्बार नाला, दलदल सिवनी नाला में सफाई एवं निकास की स्थिति सहित क्षेत्र में जलभराव क्षेत्रों का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर सफाई कार्य की स्थल समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए.

आयुक्त ने मानसून के दौरान शहर की सफाई को प्राथमिकता पर रखकर विशेष सतर्कता बनाये रखकर लगातार सफाई व्यवस्था सुचारु बनाये रखने एवं दोबारा जलभराव की समस्या ना हो, इस हेतु विशेष ध्यान देने निर्देशित किया.

आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा मानसून की पहली बारिश में नालों की सफाई व्यवस्था के प्रत्यक्ष निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद सर्वश्री राजेश गुप्ता, कैलाश बेहरा, देवदत्त द्विवेदी, कृष्णा सोनकर बब्बी, रायपुर नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय, जोन कमिश्नर प्रीति सिंह, खीरसागर नायक, राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, शरद ध्रुव, सम्बंधित जोन के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, स्वच्छता निरीक्षकगण की उपस्थिति रही।

11 हजार दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए मिलेगा ऋण : कवाड़िया

रायपुर, (विश्व परिवार)। प्रदेश के दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। निगम द्वारा प्रदेश के 11 हजार दिव्यांगजनों को स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री लोकेश कवाड़िया ने आज राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम (NDFDC) से अधिकृत विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर स्वरोजगार ऋण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की।

बैठक को संबोधित करते हुए

श्री कवाड़िया ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें प्रदेश की आर्थिक प्रगति का सहभागी बनाना है। उन्होंने कहा कि केवल ऋण उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लाभार्थियों को सफल उद्यमी बनाना भी निगम की प्राथमिकता है । उन्होंने बताया कि अब स्वरोजगार ऋण प्राप्त करने वाले प्रत्येक हितग्राही के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण अनिवार्य होगा।

रात से लगातार बारिश, निगम का अमला सुबह से सक्रिय

■ महापौर, आयुक्त एवं निगम अध्यक्ष ने लिया पानी भरान क्षेत्रो का जायजा

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। कल रात से लगातार बारिश होने पर आज सुबह महापौर श्री मधुसूदन यादव, आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिह पारस वर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य श्री शैकी बग्गा पानी भरान क्षेत्र चिखली, इंदिरा नगर, नंदई, बसंतपुर अस्पताल, मोहारा, लखोली सहित शहर में भ्रमण किये एवं शहर के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्र के नाली नालों की सफाई का निरीक्षण कर जेसीबी से नालो में फसे कचरे निकलवा एवं पानी भरान क्षेत्र से कच्ची नाली खोद कर पानी निकासी करवाए। इसी प्रकार वार्डो में पार्षद तथा

कार्यपालन अभियंता सहित तकनीकि अधिकारी एवं स्वास्थ्य अमला सुबह से अपने अपने क्षेत्र में पानी निकासी के लिए लगे रहे। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव भी लगातार मानिटरिंग करते रहे।

महापौर श्री यादव एवं आयुक्त श्री विकश्वकर्मा आज अत्याधिक बारिश होने पर शहर के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों में पानी भरान की स्थिति का जायजा लिया और पानी भरे क्षेत्रों से जेसीबी के माध्यम से तथा निगम अमला से पानी निकासी कराये। ममता नगर अंडर ब्रिज में पंप लगाकर पानी निकासी कराई गयी। उन्होंने जी.ई.रोड, बसंतपुर जिला अस्पताल, हाट बाजार, नंदई, इंदिरा नगर, राजीव नगर,आर.के.नगर, ममता नगर अण्डर ब्रिज, मोतीपुर, कौलाश नगर, लखोली, केशर नगर, चिखली के निचली एवं झुग्गी बस्ती के घरों के आस पास पानी

भरने पर जेसीबी से कच्ची नाली खोदवाकर पानी निकासी कराये, वही नाली के उपर निर्माण व नाली में कचरा फसने पर जेसीबी के माध्यम से नाले में फसे कचरे को निकलवाकर सफाई कराए। उन्होंने कहा कि निचली बस्तीयों में अल्प वर्षा में पानी भरान की स्थिति निर्मित हो जाती है, अत: ऐसे क्षेत्रों में नियमित रूप से नाली नालो की सफाई कराए तथा शहर के बड़े नाला व नालियो की अच्छे तरीके से सफाई करे, जिससे पानी भरान की स्थिति निर्मित न हो। महापौर श्री यादव ने बताया कि जिस प्रकार जिला चिकित्सालय को उपर उठाने से अंदर पानी भरने से छुटकारा मिला, इसी प्रकार शहर में चल रहे नाला निर्माण से आगामी वर्षो में इतनी परेशानी नही होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में शासन स्वीकृति अनुसार नार कन्हैया नाला जो इंदिरा नगर, नंदई आदि क्षेत्रों से जाती है उसके कच्चा भाग तथा सकरा भाग को तोडकर नाला निर्माण किया जा रहा है, वर्तमान में लोहा बाडा क्षेत्र में निर्माण कार्य चल रहा है, निर्माण चलने से थोडी परेशानी हो रही है। इसी प्रकार गोकुल नगर की ओर जाने वाली नाले को भी बनाने प्रक्रिया चल रही है। इन सब नालो के बन जाने से आगामी वर्षो में पानी भरान की स्थिति से निजात मिलेगा।

नगर के मुख्य मार्ग एवं गली मोहल्ले व बाजार क्षेत्र में नहीं बिकेगी मांस मटन : अशोक जैन

बलौदा बाजार। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत मुख्य मार्ग में बिक रहे अवैध रूप से संचालित मांस, मछली, मुर्गा, की दुकानों पर कार्रवाई की जाने की तैयारी नगर पालिका द्वारा की जा रही है। इस सम्बंध में नगर पालिका परिषद की सामान्य सभा की बैठक दिनांक 10/06/2026 को प्रस्ताव एवम संकल्प क्रमांक-8/5 में पारित किया गया, जिसमे सर्वसम्मति से नगर के अंदर संचालित मछली मटन मांस काटने एवम विक्रय करने वाले दुकानों को हटाए जाने का निर्णय लिया गया है।

नगर में संचालित होने वाले इन दुकानों की वजह से नगर का वातावरण प्रदूषित होता है, व आवागमन करने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है वही मांस,मुर्गा, मछली, की कतरनो को कहीं भी डाल दिए जाने से संक्रमण की भी

संभावना बनी रहती है, इसीलिए यह विक्रय की दुकान हटाए जाने की निर्देश दिया गया है।

परिषद में पारित निर्णय के अनुरूप नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन इस संबंध में कहा कि मांस मछली का विक्रय हेतु नगर पालिका द्वारा व्यवस्थित दुकान बना कर स्थान निर्धारित कर दुकानदारों को व्यवसाय किए जाने दुकान उपलब्ध कराई गई है, जहां वर्तमान में व्यवस्थित रूप से दुकानें संचालित है वहां विक्रय करें।

नगर में अनेकों स्थान पर अवैध रूप से मुर्गा, मछली, एवं अन्य मांस विक्रय करने एवं काटने के साथ ठेलों व खेमचो में पकाकर रखा जाता है, व विक्रय किया जाता है जो उचित नहीं है, जिन दुकानदारों को मांस मटन एवं मछली का विक्रय करना है उनके लिए बाजार तैयार कर प्रदाय किया गया है। इस बाबत आवश्यक कार्रवाई की जाने सम्बंधित विभाग को निर्देशित भी किया गया है।

मुख्य रूप से बाजार क्षेत्र एवं अंबेडकर चौक सहित मुख्य मार्ग व रायपुर मार्ग सहित मोहल्ले में संचालित मांस मछली मुर्गा की दुकानों के संबंध में शिकायतकर्ताओं द्वारा समय-समय पर आपत्ति करते हुए उक्त दुकानों को बंद किए जाने की मांग की जाती रही है, मांस मछली मुर्गा के विक्रय किए जाने से आसपास का वातावरण दूषित होने के कारण संक्रमण फैलने की संभावना भी व्यक्ति की गई है।

नारायणपुर के 8 बच्चों का संसद भवन के लिए चयन

रायपुर। नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS) छेरीबेड़ा के बच्चों ने वह कर दिखाया है, जिस पर आज पूरा छत्तीसगढ़ गर्व कर रहा है। राजस्थान के उदयपुर (खेरवाड़ा) में आयोजित आंचलिक (जोनल) स्तरीय राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में इस विद्यालय की 53 सदस्यीय टीम ने न केवल राज्य का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि अपने शानदार और दमदार प्रदर्शन से उपविजेता (रनर-अप) का खिताब भी अपने नाम कर लिया।

पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई की निधन, मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

■ डॉ. तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति : विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर पहुंचकर पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना और विलक्षण प्रतिभा से उन्होंने पंडवानी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई तथा छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। डॉ. तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त किया

राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की अमर स्वर-कोकिला, पद्म विभूषण से सम्मानित एवं विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

अपने शोक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का निधन केवल लोककला जगत ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पूरे राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपनी अद्वितीय गायन शैली, असाधारण प्रतिभा और लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विशिष्ट पहचान दिलाई। लोककला के क्षेत्र में उनका अतुलनीय योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपना संपूर्ण जीवन लोककला की साधना, संरक्षण और संवर्धन को समर्पित किया। उन्होंने पंडवानी जैसी समृद्ध लोक परंपरा को विश्व मंच तक पहुंचाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। उनका व्यक्तित्व, कला-साधना और सांस्कृतिक योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

राज्यपाल ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों, उनके असंख्य प्रशंसकों और समस्त लोककला जगत को इस गहन दु:ख को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें।

छत्तीसगढ़ व कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति : किरण देव

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने छत्तीसगढ़ की माटी की गौरव, लोक संस्कृति को वैश्विक पटल पर अमिट पहचान दिलाने वाली विश्वविख्यात पण्डवानी गायिका, पद्म विभूषण तीजन बाई के देहावसान पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री देव ने तीजन बाई के निधन को भारतीय संस्कृति और कला जगत के एक देदीप्यमान युग का अन्त बताया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने अपने शोक संदेश में कहा कि तीजन बाई ने अपनी अनूठी शैली और बुलन्द आवाज से छत्तीसगढ़ की पावन धरा की लोक कला 'पण्डवानी' को न केवल देश के कोने-कोने में पहुँचाया, बल्कि सात समन्दर पार भी छत्तीसगढ़िया संस्कृति का परचम लहराया। स्व. तीजनबाई केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि हमारी लोक संस्कृति की जीवन्त संवाहक थीं। उनका इस तरह हमारे बीच से चले जाना पूरे छत्तीसगढ़ और विश्व कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। श्री देव ने कहा कि तीजन बाई ने विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष कर कला के क्षेत्र में जो मुकाम हासिल किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा जाना उनके अद्वितीय योगदान का प्रमाण है। श्री देव ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवारजनों सहित उनके करोड़ों प्रशंसकों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

एम्स रायपुर ने पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त किया

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक कलाकार एवं पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित तीजन बाई का 5 जुलाई 2026 को प्रात: 3:15 बजे निधन हो गया। एम्स रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा हर संभव उपचार और जीवन रक्षक प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। तीजन बाई को 27 मई 2026 को सांस लेने में तकलीफतथा सामान्य कमजोरी की शिकायत के साथ एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया था। वे पहले से ही कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थीं। उनकी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें क्रिटिकल केयर यूनिट (CCU) में भर्ती कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की बहु-विषयक टीम की निगरानी में उपचार दिया जा रहा था। उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। लगातार निगरानी, गहन चिकित्सा एवं विशेषज्ञों द्वारा हर संभव उपचार के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो सका। 5 जुलाई 2026 की तड़के लगभग 2:45 बजे उन्हें हृदयाघात (कार्डियक अरेस्ट) हुआ।

एम्स रायपुर ने रचा इतिहास: 100 सफल किडनी प्रत्यारोपण कर स्थापित किया नया कीर्तिमान

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 100 सफल किडनी प्रत्यारोपण (किडनी ट्रांसप्लांट) पूरे कर लिए हैं। संस्थान का 100वां सफल किडनी प्रत्यारोपण 30 जून 2026 को कांकेर जिले के 54 वर्षीय मरीज पर किया गया। मरीज पिछले चार वर्षों से डायलिसिस पर निर्भर था। उसे उसकी पत्नी ने अपनी किडनी दान की। वर्तमान में दाता और मरीज दोनों ट्रांसप्लांट आईसीयू में स्वस्थ होकर तेजी से रिकवरी कर रहे हैं।

एम्स रायपुर का किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम आज मध्य भारत में नई पहचान बना चुका है। नए स्थापित सभी एम्स संस्थानों में मृत अंगदाता (Deceased Donor) अंगदान कार्यक्रम शुरू करने वाला यह पहला एम्स है। संस्थान की विशेषज्ञ टीम ने किडनी पेयर्ड डोनेशन (स्वैप ट्रांसप्लांट), रक्त समूह असंगत (ABO-Incompatible) किडनी प्रत्यारोपण तथा बच्चों में किडनी प्रत्यारोपण जैसी जटिल एवं अत्याधुनिक प्रक्रियाओं में भी सफलता प्राप्त की है।

छत्तीसगढ़ का एकमात्र सरकारी संस्थान होने के नाते, जहां किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध है, एम्स रायपुर ने जरूरतमंद मरीजों को समान और सुलभ उपचार उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है। अब तक किए गए 100 किडनी प्रत्यारोपणों में से 98 आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह नि:शुल्क किए गए हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिली है। संस्थान ने 91 प्रतिशत ग्राफ्ट सर्वाइवल तथा 92 प्रतिशत मरीजों की सर्वाइवल दर हासिल कर उत्कृष्ट परिणाम भी दर्ज किए हैं।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के अवसर पर एम्स रायपुर में एक सम्मान समारोह आयोजित कर प्रत्यारोपण टीम, ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर्स, आईसीयू नर्सिंग स्टाफ तथा आयुष्मान मित्रों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), नवा रायपुर में आयोजित 'चिंतन शिविर 3.0' के दूसरे दिन 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक संवेदनाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस अभियान से जुड़कर पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरित एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण अभियानों को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप समाधान योजना की अवधि 30 सितंबर तक बढ़ी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना-2026 की अवधि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं। मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) कार्यालय द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार योजना की अवधि, जो पूर्व में 30 जून 2026 तक निर्धारित थी, अब 30 सितंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना को उपभोक्ताओं से मिल रहे अच्छे प्रतिसाद को देखते हुए इसकी अवधि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ाने की घोषणा की थी

उल्लेखनीय है कि कोरोना काल के दौरान आर्थिक कठिनाइयों के कारण बड़ी संख्या में घरेलू, बीपीएल एवं कृषि उपभोक्ता समय पर बिजली बिल जमा नहीं कर सके थे। ऐसे उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना प्रारंभ की। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 28 लाख 42 हजार पात्र उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल में लगभग 757 करोड़ रुपये की राहत प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत निम्नदाब घरेलू, बीपीएल एवं कृषि श्रेणी के अशासकीय उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल की मूल राशि एवं अधिभार में नियमानुसार छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। योजना की अवधि बढ़ने से ऐसे पात्र उपभोक्ताओं को तीन माह का अतिरिक्त अवसर मिलेगा, जो अब तक किसी कारणवश इसका लाभ नहीं ले सके हैं।

पावर कंपनी ने सभी पात्र उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 30 सितंबर 2026 तक अपने निकटतम विद्युत कार्यालय से संपर्क कर योजना का लाभ उठाएं तथा बकाया बिजली बिलों का निराकरण कर छूट का लाभ प्राप्त करें। योजना की अन्य सभी शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी।

308 विवेचकों को ई-साक्ष्य संकलन के लिए मोबाइल फोन वितरित

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार कमिश्नरेट रायपुर में पदस्थ विवेचकों को विवेचना कार्य को तकनीकी रूप से और अधिक प्रभावी बनाने हेतु दिनांक 04.07.2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में मोबाइल फोन वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर, रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला ने स्वयं मोबाइल वितरण कर कार्य की शुरुआत की। पुलिस मुख्यालय द्वारा नवीन कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु प्रदत्त कुल 308 विवेचकों को दिए गए मोबाइल उपकरणों का प्राथमिक उद्देश्य ई-साक्ष्य (इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य) का त्वरित एवं सुरक्षित संकलन, उसके व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और विभिन्न तकनीकी प्लेटफॉर्मों के साथ समन्वय सुनिश्चित करना है। इन मोबाइल्स के माध्यम से फ़ील्ड में साक्ष्य संग्रह, तस्वीरीकरण, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और

डिजिटल-आधारित रिपोर्टिंग को मानकीकृत किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने विवेचकों को निर्देश दिए कि वे नवीन तकनीक का बेहतर उपयोग करते हुए डिजिटल ऐप्स, ई-साक्ष्य संचालन प्रोटोकॉल और डेटा सुरक्षा के मानकों का पालन अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से संचालित विवेचना से न केवल मामले सुलझाने की गति बढ़ेगी बल्कि न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में मेंटर-मेंटी कार्यशाला का सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। नवा रायपुर स्थित श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय द्वारा एक दिवसीय मेंटर-मेंटी कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'मजबूत और व्यक्तिगत सहयोग तंत्र का निर्माण' इस कार्यक्रम का मुख्य विषय रहा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच ऐसा संबंध स्थापित करना था, जो शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास में भी सहायक हो। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विवि की महानिदेशक डॉ. चार्मी दावड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिन्मय दावड़ा, मानद निदेशक तुलसीदास संघानी, निदेशक अंजली यादव, प्रति कुलपति डॉ. वरूण गंजीर, कुलसचिव विपिन श्रीवास्तव, डीन एकेडमिक्स डॉ. नितिन जायसवाल, वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के

अधिष्ठाता डॉ. मनीषा पांडेय, कला एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. मनीष वर्मा मंचस्त रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के मानद निदेशक तुलसीदास संघानी ने मंत्रोच्चार के साथ किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं और यह विश्वविद्यालय की प्रगति की आधारशिला है। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की महानिदेशक डॉ. चार्मी दावड़ा ने कार्यक्रम की नवीनता पर प्रकाश डालते हुए वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय की पहल की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि मेंटर-मेंटी संबंध शिक्षा जगत में एक मजबूत स्तंभ है, जो विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी दिशा प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिन्मय दावड़ा ने इस अवसर पर मेंटर-मेंटी कार्यक्रम के उद्देश्यों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके करियर को सशक्त करने में सहायक होगी। निदेशक अंजली यादव ने इस मौके पर कहा कि इस प्रकार के आयोजन विश्वविद्यालय की वृद्धि और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं। विद्यार्थियों को इससे प्रेरणा मिलती है कि वे अपने मेंटर से सीखकर जीवन में आगे बढ़ें। वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता डॉ. मनीषा पांडेय ने इस कार्यक्रम की पीपीटी के माध्यम से मेंटर- मेनटी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस आयोजन में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। संवाद सत्रों में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन स्नेहा थापा ने किया। अंत में सहायक प्राध्यापक अरुण साहू ने आभार प्रदर्शन किया।

चरौदा में बाल कैबिनेट का गठन, बच्चों में दिखा उत्साह

आरंग। शनिवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में बाल कैबिनेट का गठन किया गया। जिसमें बच्चों ने काफी उत्साह से भाग लेते हुए अपने-अपने मिले दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। बाल कैबिनेट प्रभारी शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल ने बताया मंत्री मण्डल गठन को लेकर बच्चों में काफी उत्साह दिखा। जिसमें बच्चों ने सर्वसम्मति से प्रतीकात्मक रूप से प्रधानमंत्री, उपप्रधान मंत्री,मुख्यमंत्री सहित जल, पर्यावरण, स्वच्छता, अनुशासन, शिक्षा, संस्कृति, योग, प्रबंधन, खेल इत्यादि मंत्रियों का चयन किया। मंत्रीमंडल के गठन में संस्था प्रधान सहित सभी शिक्षकों व बड़ी संख्या में बच्चों की सहभागिता रही।

ढाई साल में सिर्फ योजनाएं बंद की ऐसा कुछ शुरू नही किया जिसका आईआईएम के छात्र शोध कर सके : दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की सरकार रिमोट से चलने वाली अनुभवहीन सरकार है। जिसके पास प्रदेश को लेकर कोई विजन रोड मैप नही है जिसका नुकसान प्रदेश को हुआ है। पूर्व कांग्रेस सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की जिससे प्रदेश खुशहाल हुआ था। कांग्रेस सरकार की योजनाओं को अन्य राज्य देखने आते थे।नीति आयोग तारीफ करता था एवं अन्य राज्यो को भी शुरू करने सलाह देता था।उस दौरान आईआईएम जैसे अनेक संस्थान के प्रोफेसर छात्र उन योजनाओं पर शोध करते थे। बीते ढाई साल में भाजपा की सरकार ने कोई नयी योजना शुरू नही की बल्कि पूर्वर्ती सरकार की 17 योजनाओं को बंद किया एवं 20 योजनाओं का नाम बदलकर जारी रखा है।यही वजह है भाजपा सरकार को आईआईएम में प्रशिक्षण लेने पड़ रहा है ये इस सरकार की असफलता का प्रमाण है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार का ये तीसरा चिंतन शिविर है सवाल ये उठता है इसके पहले हुए दो चिन्तन शिविर में आईआईएम के प्रशिक्षण से क्या सीखा ?जो सीखा उसे धरातल पर लागू क्यो नही किया।क्योंकि सरकार की अक्षमता के कारण हर वर्ग में गहरी

नाराजगी,मायूसी झलक रही है प्रशासनिक अराजकता से प्रदेश थर्रा रहा है।वित्तीय अनियमितता के कारण राज्य पर कर्जभार बढ़ा है बीते ढाई साल में हर माह 2000 करोड़ रु से अधिक कर्ज लिया जा रहा है।कोई नया विकास कार्य कोई नई परियोजना शुरू नही हुई है।स्थिति बेहद गम्भीर है जनता स्वास्थ्य शिक्षा रोजगार सुरक्षा जैसे मूलभूत की समस्याओं से जूझ रही है।चुनावी गारंटी में कोई काम हुआ नही है।ऐसे में सरकार के प्रशिक्षण का क्या औचित्य?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार ने ढाई साल में सब गुड़ गोबर करने के बाद चिंतन शिविर में सरकार चलाने के गुड़ सीखने का ढोंग कर रही है। अब सरकार का फेयरवेल की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछले ढाई सालों में प्रदेश की जनता को निराश किया है। कोई भी विकास कार्य चालू नहीं कर पाये, युवाओं को निराश किया है, एक भी शिक्षक की भर्ती नहीं कर पाई, युवाओं को रोजगार नहीं दिया, किसानों से धोखा किया और महिलाओं से धोखा किया। अब चिंतन शिविर में फिर से ठगने का एक नया गुण सिखने गये है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा की ढाई साल में सरकार नाम की संस्था तो कहीं दिखी नहीं कानून व्यवस्था की हालत यह हो गयी की आदमी जिन्दा जलाए जा रहे घर में घुस कर गोलियां मारी जा रही कलेक्टर एसपी कार्यालय जलाये जा रहे युवा रोजगार को तरस रहा किसान खाद को तरस रहा, महिलाये सुरक्षित नहीं भाजपा की सरकार कहीं दिखती ही नहीं और ज़ब सब कुछ बर्बाद कर दिया तो सरकार चलाने के लिए चिंतन कर रहे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354